वर्ष : 17 अंक: 45 | आगरा | गुरुवार 29 मई 2025 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रु.

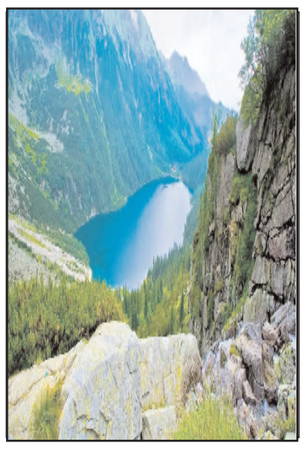

उत्तरप्रदेश ,मध्यप्रदेश,छत्तीसगढ़,नई दिल्ली व राजस्थान से एक साथ प्रकाशित

सांध्य पहल

उत्तरप्रदेश में सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला हिन्दी दैनिक

आज का तापमान
अधिकतम 38 डिग्री
न्यूनतम 30 डिग्री

मोदी सरकार घर-घर पहुंचाएगी सिंदूर: 9 जून से एक महीने तक चलेगा अभियान

सांसद रोज 15-20 km की पदयात्रा करेंगे

नई दिल्ली (ए.)

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को मोदी सरकार घर-घर तक पहुंचाने की तैयारी कर रही है। इसके तहत महिलाओं को उपहार के रूप में सिंदूर दिया जाएगा। भाजपा के सीनियर लीडर ने बताया कि 9 जून से इसकी शुरुआत होगी। इसी दिन नरेंद्र मोदी ने बतौर पीएम तीसरी बार शपथ ली थी यानी मोदी 3.0 की शुरुआत हुई थी।

अभियान का मूल मकसद मोदी 3.0 सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना है। इसके लिए जनसंपर्क के दौरान महिलाओं को सिंदूर भी भेंट किया जाएगा। साथ ही, ऑपरेशन सिंदूर को हाईलाइट करने वाले पंफलेट भी बांटे जाएंगे। केंद्र के सभी मंत्री, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (ह्ल्ढ्ढ) के सांसद और संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी इस अभियान में शामिल होंगे। एक महीने तक चलने वाले इस कार्यक्रम में सभी

लोकसभा सांसदों अपने क्षेत्र में रोजाना 15-20 किमी तक पैदल यात्रा करनी है और मंत्री हफ्ते में दो दिन 20-25 किमी यात्रा कर जनसंपर्क करेंगे। ऑपरेशन सिंदूर में शामिल विभागों पर शॉर्ट फिल्म बनेगी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जिस भी विभाग ने अपना योगदान किसी भी रूप में दिया, उसकी डॉक्यूमेंट्री बनेगी। उस विभाग में कार्यरत लोगों और उनके परिजनों को दिखाई जाएगी। ताकि उन्हें गौरव हो और वे भविष्य में ज्यादा बेहतर तरीके से योगदान देने के लिए प्रेरित हो सकें। जन संपर्क अभियान- हर विधानसभा क्षेत्र में 29 मई तक चलेगा।

बूथ स्तर पर (1+4) और (1+2) के फॉर्मूले पर कार्यकर्ता भाग लेंगे। प्रेस वार्ता- 2 जून से 5 जून के बीच जिला स्तर पर प्रेस वार्ताएं होंगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा 7 या 8 जून को दिल्ली में प्रेस वार्ता की जाएगी। प्रोफेशनल्स मीट- हर जिले में पेशेवरों की बैठक होगी, जहां तीन प्रमुख नीतिगत विषयों पर चर्चा होगी (केवल पेशेवर ही बुलाए जाएंगे)। विकसित भारत संकल्प सभा- हर मंडल पर विकसित भारत संकल्प सभा होगी, जिसमें नागरिकों से विकसित भारत हेतु संकल्प लेंगे। पंचायत चौपाल- शहरों की मोहल्ला और गांवों की पंचायत चौपाल से सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाया जाएगा। आयुष्मान भारत योजना शिविर- हर विधानसभा क्षेत्र में पंजीकरण शिविर लगेंगे। हर जिले में 100 लाभार्थियों की सहभागिता जरूरी।

डिजिटल प्रतियोगिता- वीडियो व ग्राफिक्स से संबंधित डिजिटल प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। प्रदर्शनी का आयोजन- सभी जिलों और जिला केंद्रों पर सरकारी योजनाओं की प्रदर्शनी। योग दिवस- 15 जून से 20 जून तक योग प्रशिक्षण शिविर चलेंगे। 21 को कार्यक्रम होंगे। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने 7 मई की आंधी रात 1-05 बजे पाकिस्तान और क्कशय में एयर स्ट्राइक की। इसमें 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। हमले में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद चीफ मौलाना मसूद अजहर की फैमिली के 10 सदस्य और 4 सहयोगी मारे गए। भारत ने 24 मिसाइलें दागीं। इस ऑपरेशन का नाम सिंदूर रखा गया। ये कार्रवाई पहलगाम हमले के 15 दिन बाद की गई। इसमें 25 टूरिस्ट और एक स्थानीय कश्मीरी नागरिक की हत्या की गई थी।

अकाली दल के नेता सुखदेव सिंह ढींडसा का निधन: लंबे समय से बीमार थे

किसान आंदोलन के समर्थन में पद्म भूषण अवॉर्ड लौटाया था

चंडीगढ़ (ए.)

पंजाब में शिरोमणि अकाली दल के सीनियर नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सुखदेव सिंह ढींडसा का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। बुधवार को शाम 5 बजे उन्होंने मोहाली के अस्पताल में अंतिम सांस ली। ढींडसा की बेटी विदेश में है। वह कल भारत पहुंचेगी। ऐसे में 30 मई को उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। 2019 में केंद्र सरकार ने ढींडसा को पद्म भूषण अवॉर्ड से सम्मानित किया था, लेकिन उन्होंने दिसंबर 2020 में किसान आंदोलन के समर्थन में अवॉर्ड लौटा दिया था। वे वर्ष 2000 से 2004 तक केंद्र की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में मंत्री रहे। ढींडसा पूर्व सीएम प्रकाश सिंह बादल के साथी रहे हैं। उनके बेटे परमिंदर सिंह ढींडसा भी पंजाब सरकार में वित्त मंत्री रह चुके हैं। पिछले साल ढींडसा को श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ने धार्मिक सजा सुनाई थी। उन्होंने गोल्डन टेंपल में व्हीलचेयर पर बैठकर गेट पर पहरेदारी की थी। ढींडसा के निधन पर ष्टरू भगवंत मान समेत अन्य नेताओं ने दुख जताया। संगरूर जिले के उभवाल गांव में जन्म सुखदेव सिंह ढींडसा का जन्म 9 अप्रैल 1936 को पंजाब के संगरूर जिले के उभवाल गांव में हुआ था। उन्होंने स्नातक की पढ़ाई गवर्नमेंट रणबीर कॉलेज संगरूर से की थी। 4 बार विधायक बने, मंत्री भी रहे- पंजाब में ढींडसा ने 1972, 1977, 1980 और 1985 में विधानसभा चुनाव जीते। वह परिवहन, खेल, पर्यटन, सांस्कृतिक मामलों और नागरिक उड्डयन जैसे विभागों के मंत्री रहे। इसके साथ वह 1998 से 2004 और 2010 से 2022 तक राज्यसभा के सदस्य रहे।

मुंबई में तेज बारिश, राजस्थान में गर्मी-बारिश और धूलभरी आंधी: छत्तीसगढ़ में 12 दिन पहले मानसून की एंट्री

नई दिल्ली/रायपुर/भोपाल (ए.)। देश के 17 राज्यों में मानसून की एंट्री हो चुकी है। बुधवार को मानसून समय से 12 दिन पहले छत्तीसगढ़ और 13 दिन पहले ओडिशा पहुंचा। दोनों राज्यों के कुछ जिलों में तेज बारिश हुई। महाराष्ट्र के मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़ में आज भारी बारिश हो रही है। यहां बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। बदलापुर, उल्हासनगर, कल्याण, डोंबिवली और ठाणे के अलग-अलग इलाकों में जलभराव हो गया है। राजस्थान में मौसम का तीन रूप देखने को मिल रहे हैं। बूंदी जिले में तेज गर्मी पड़ रही है। यहां के गांव में वृद्ध महिला की मौत हुई। जांच में हीटवेव से मौत की बात सामने आई। उदयपुर, चित्तौड़गढ़-भीलवाड़ा में बारिश जारी है। जैसलमेर में सुबह से रेत का गुबार (धूलभरी आंधी) है। मध्यप्रदेश के 15 से ज्यादा जिलों में मंगलवार को बारिश हुई। आज भी भोपाल, इंदौर-उज्जैन समेत 40 जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश की चेतावनी है। कुछ जिलों में आंधी की रफ्तार 50 kmph तक हो सकती है। बिहार के 12 जिलों में आज बारिश का यलो अलर्ट है। देश में इस मानसून सीजन औसत 106त्न बारिश की संभावना इस बार मानसून सीजन (जून से सितंबर) में सामान्य से ज्यादा बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग (IMD) ने बताया कि 106त्न तक बारिश हो सकती है। पिछले महीने इसे 105त्न बताया गया था। जून महीने में भी बारिश सामान्य से ज्यादा होगी। ढ्ढरूष्ठ ने 27 मई को बताया था, देश में जून के महीने में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना है, जो 108त्न हो सकती है। यानी इस दौरान 87 cm से ज्यादा बारिश का अनुमान है। इसे लॉन्ग पीरियड एवरेज यानी रु्क्क कहा जाता है।

दुनिया को आतंकवाद पर एक साथ बोलना चाहिए, यह एक कैंसर: प्रसाद

पेरिस, (ए.)। भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने फ्रांस में भारतीय समुदाय के सदस्यों से आह्वान किया कि वे ब्रांड इंडिया को शांति के प्रतीक के रूप में प्रदर्शित करने के लिए हर संभव प्रयास करें, जो आतंकवाद के वैश्विक अभिशाप के खिलाफ लड़ रहा है। पेरिस में समुदाय के नेताओं और भारतीय प्रवासियों के प्रमुख सदस्यों की एक सभा को संबोधित कर सांसद प्रसाद के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने संदेश दिया कि पिछले महीने आतंकवादी हमला शांति और विकास को कमजोर करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास था।

फ्रांस में भारतीय दूतावास ने कहा कि यह ध्यान देने योग्य है कि प्रतिनिधिमंडल को पेरिस में भारतीय दूतावास में जानकारी दी गई थी। उन्होंने पेरिस स्थित विभिन्न थिंक-टैंक से भी मुलाकात की, जिनके साथ उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत के मजबूत और स्पष्ट संदेश और दुनिया के लिए आतंकवाद द्वारा उत्पन्न चुनौती पर चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि पहलगाम आतंकी हमला जम्मू और कश्मीर में शांति और विकास को कमजोर करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास था, और भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से सटीक, लक्षित, आनुपातिक और गैर-उग्र तरीके से जवाब दिया था।

फ्रांस में भारतीय सांसदों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे भाजपा सांसद प्रसाद ने कहा कि भारत शांति और सद्भाव में विश्वास करता है, लेकिन सीमा पार से प्रायोजित आतंकवाद, खास तौर पर पाकिस्तान द्वारा, के परिणाम होते हैं। प्रसाद ने कहा, भारत शांति में विश्वास करता है, भारत सद्भाव में विश्वास करता है। सीमा पार से हो रहे आतंकवाद, जिसे पाकिस्तानी सरकार द्वारा समर्थन और संरक्षण दिया जा रहा है, उसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने कहा, आज दुनिया को यह समझने की जरूरत है कि 50 से ज्यादा खतरनाक आतंकवादी जिन्हें नामित किया गया है, वे पाकिस्तान में हैं और दुनिया के हर आतंकवाद में पाकिस्तान की भूमिका है, चाहे वह 9/11 हो, 26/11 हो या यूरोप में आपके आतंकवादी हों। दुनिया को आतंकवाद पर एक साथ बोलना चाहिए, यह एक कैंसर है।

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल में दग्गुबाती पुरंदेश्वरी (भाजपा), प्रियंका चतुर्वेदी (शिवसेना (यूबीटी)), गुलाम अली खटाना, अमर सिंह (कांग्रेस), समिक भट्टाचार्य (भाजपा), एम जे अकबर और पंकज सरन शामिल हैं।

अमेरिकी सांसद ने ट्रंप को दिखाया आइना, भारत और पाकिस्तान अमेरिका की मध्यस्थता की जरुरत नहीं

वाशिंगटन, (ए.)। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसी स्थिति बनीं हुई थी ताबड़तोड़ हमले के बाद अचानक दोनों देशों के बीच सीजफायर का ऐलान हुआ। सीजफायर का ऐलान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से किया। इसके बाद पूरे विश्व में शुरूआत में ये संदेश फैल गया कि भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर ट्रंप की वजह से हुआ। लेकिन बाद में भारत सरकार ने साफ कर दिया कि पाकिस्तान और भारत के बीच सीजफायर दोनों देशों द्वारा लिया गया स्वंय का निर्णय था। लेकिन फिर भी ट्रंप कभी भी कोई क्रेडिट लेने से नहीं चूकते हैं। इसके बाद अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य श्री थानेदार ने राष्ट्रपति ट्रंप की आलोचना की, क्योंकि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को रोकने का श्रेय लिया है। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान अमेरिकी हस्तक्षेप के बिना स्वतंत्र रूप से अपने मुद्दों को हल करने में सक्षम हैं।

अमेरिकी सांसद थानेदार ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को रोकने का श्रेय लेने का ट्रंप के पास कोई आधार नहीं है। अमेरिकी सांसद ने साथ ही ट्रंप पर इस परिस्थिति से राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश करने का आरोप लगाया। अमेरिकी सांसद थानेदार ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद भारत का ऑपरेशन सिंदूर शुरू करके जवाब देना स्वाभाविक था और अमेरिका ने निश्चित रूप से नई दिल्ली की स्थिति को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान अपने मुद्दों को सुलझाने में सक्षम हैं, न भारत और न ही पाकिस्तान ने अमेरिका को मध्यस्थता के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि ट्रंप द्वारा की गई घोषणा का कोई आधार था। वह केवल इससे लाभ उठाना चाहते थे, इसलिए उन्होंने यह घोषणा की।'

न्यूयार्क में 158 वें मेमोरियल डे परेड में अमेरिका का विशाल झंडा ले जाते हुए लोग।

कोरोना ने दुनिया में मचाया कोहराम- अमेरिका में नया वेरिएंट, हांगकांग-ताइवान में मरीजों की भीड़

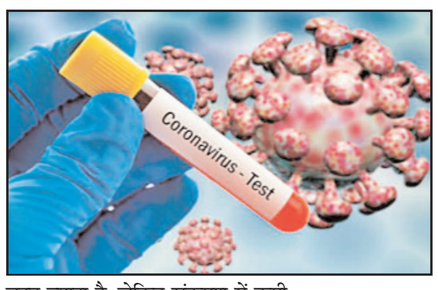

वाशिंगटन, (ए.)। अमेरिकी एयरपोर्ट्स पर नया कोविड वैरिएंट एनबी.1.8.1 मिला सीडीसी के एयरपोर्ट टेस्टिंग पार्टनर जिन्कगो बायोवर्क्स के आंकड़ों के मुताबिक, कैलिफोर्निया, वाशिंगटन राज्य, वर्जीनिया और न्यूयॉर्क सिटी क्षेत्र के एयरपोर्ट्स पर पहुंचने वाले इंटरनेशनल यात्रियों में एनबी.1.8.1 वैरिएंट के मामलों की पहचान की गई है। हांगकांग और ताइवान में स्वास्थ्य अधिकारियों ने अस्पताल में भर्ती होने और इमरजेंसी रूम में जाने वालों की संख्या में बढ़ोतरी की जानकारी दी है, जिससे सार्वजनिक मास्क पहनने और टीकों और एंटीवायरल दवाओं के स्टोर की कोशिशें की जा रही हैं। सीडीसी के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने कोरोनावायरस से हर हफ़्ते औसतन 350 अमेरिकी लोगों की मौत हुई है। एजेंसी ने कहा कि हताहतों की तादाद तो बहुत ज़्यादा है, लेकिन संक्रमण में कमी आ रही है।

मई 2025 तक, एनबी.1.8.1 नामक एक नया कोविड-19 वैरिएंट, जो ओमिक्रॉन सबलाइनेज जेएन.1 से आया है। इसे एशिया भर में हाल ही में कोविड-19 मामलों में बढ़ोतरी के लिए एक योगदान कारक के रूप में पहचाना गया है और इसे अमेरिका में भी पाया गया है। यह वेरिएंट सबसे पहले चीन में रिपोर्ट किया गया था, जो तेजी से बड़ा स्ट्रेन बन गया। सिंगापुर और हांगकांग सहित एशिया के अन्य इलाकों में भी इसकी मौजूदगी की पुष्टि हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एनबी.1.8.1 को इसके बढ़ते वैश्विक प्रसार की वजह से एसएआरएस - सीओवी-2 वेरिएंट अंडर मॉनिटरिंग के रूप में नामित किया है। यह वैरिएंट फिर से संयोजक वैरिएंट एक्सडीवी.1.5.1 से लिया गया है, जिसका सबसे पहला सैंपल 22 जनवरी, 2025 को कलेक्ट किया गया था। इसे आधिकारिक तौर पर 23 मई, 2025 को वीयूएम के रूप में वर्गीकृत किया गया था।

नहीं सुधरा पाकिस्तान...इस बार होगी और भी बुरी पिटाई : शशि थरूर

जॉर्जटाउन, (ए.)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने गुयाना की नेशनल असेंबली के स्पीकर से मुलाकात कर आतंकवाद के खिलाफ भारत का संदेश दिया। थरूर ने कहा, हमारी सरकार ने ऐसी प्रतिक्रिया दी, लेकिन यह बहुत ही संतुलित, मापा हुआ और सटीक तरीके से किया। कांग्रेस सांसद थरूर ने कहा कि भारत की कार्रवाई पूरी तरह से जवाबी थी और पाकिस्तान के साथ लंबे समय तक संघर्ष की इच्छा का संकेत नहीं थी। थरूर ने कहा, हमें यह बताने की कोई इच्छा नहीं थी कि यह एक तरह के लंबे युद्ध की शुरुआत थी, उन्होंने कहा कि प्रत्येक हमला जवाबी था, भारत द्वारा की गई प्रत्येक कार्रवाई केवल पाकिस्तान के जवाब में थी। उन्होंने जोर दिया कि पाकिस्तान की ओर से शत्रुता समाप्त होने से भारत की जवाबी कार्रवाई की कोई आवश्यकता नहीं रह जाएगी। थरूर ने कहा कि सैद्धांतिक रुख के कारण अंततःतनाव कम हुआ। उन्होंने कहा, अगर पाकिस्तान रुक जाता है, तब हमारे पास जवाबी कार्रवाई करने का कोई कारण नहीं होगा और यही कारण है कि आखिरकार, 10 मई की सुबह भारतीय समय के अनुसार, उन्होंने हमारे सैन्य संचालन महानिदेशक से संपर्क किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत भविष्य के हमलों से नहीं डरता है, उन्होंने कहा, हमें डर नहीं है कि ये लोग हम पर फिर से हमला करते हैं, तब और मजबूती से जबाव दिया जाएगा।

भीड़ में फंसी अभिनेत्री माहिरा खान के साथ हुई बदसलूकी, वीडियो वायरल

लंदन, (ए.)। अभिनेत्री माहिरा खान पाकिस्तान की मशहूर अदाकारा हैं। उन्होंने बॉलीवुड में भी काम किया है। हाल ही में, वह अपनी आगामी फिल्म लव गुरु का प्रमोशन करने एक इवेंट में गईं और वहां उनकी हालत ऐसी हो गई है कि उनके साथ मौजूद पाकिस्तानी एक्टर का गुस्सा फूट पड़ा। दरअसल, माहिरा खान अपकमिंग पाकिस्तानी फिल्म लव गुरु का प्रमोशन करने के लिए लंदन गई हुई थीं। उनके साथ फिल्म के लीड हीरो हुमायूं सईद भी मौजूद थे। लंदन में इलफोर्ड के इंडो-पाक सुपरमार्केट में आयोजित इवेंट में माहिरा भारी भीड़ में फंस गईं।

इवेंट में जब माहिरा खान और हुमायूं सईद को देखा गया तो वहां पर भगदड़ मच गई। भीड़ इतनी जबरदस्त थी कि सिक्योरिटी सेटअप भी टूट गया था। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है जिसमें माहिरा भीड़ से निकलने की मशक्कत करती हुई नजर आईं। हुमायूं उन्हें भीड़ से निकालने की पूरी कोशिश करते दिखे। इस दौरान उनका गुस्सा भी फूट पड़ा।वीडियो में देखा जा सकता है कि किस तरह माहिरा खान भीड़ से बचकर निकलने की कोशिश कर रही हैं। लोग उन्हें देखकर फोटो खिंचवाने की एक्साइटमेंट में भीड़ में चले आ रहे थे। इस दौरान हुमायूं ने माहिरा को कवर किया और उन्हें वहां से निकाल रहे थे। इस दौरान हुमायूं का खराब मैनेजमेंट पर गुस्सा फूट पड़ा। माहिरा भी काफी परेशान लग रही थीं। रिपोर्ट्स की मानें तो एक्ट्रेस के साथ बद्तमीजी भी हुई।

ऑस्ट्रेलिया में बाढ़ग्रस्त इलाके का दौरा करते हुए प्रधानमंत्री एंथनी एल्बनीज।

दबाब में यूनुस बना रहे राखिन कॉरिडोर, सेना ने कहा- हमसे उम्मीद न करें, हम समझौता नहीं करेंगे

ढाका, (ए.)। बांग्लादेश से म्यांमार तक प्रस्तावित राखिन कॉरिडोर का उद्देश्य म्यांमार के राखिन राज्य को मानवीय सहायता पहुंचाना है, जहां 20 लाख से ज़्यादा लोग गृहयुद्ध और भूकंप के कारण अकाल का सामना कर रहे हैं। यूनुस संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका के दबाव में इस प्रोजेक्ट पर आगे बढ़ रहे हैं। इस पर बांग्लादेश सेना ने साफ कर दिया कि इससे सबंधित हमसे किसी तरह की अपेक्षा न करें। सेना ने कहा है कि बांग्लादेश आर्मी ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं होगी जिससे देश की सुरक्षा से समझौता हो।

बांग्लादेश सेना का ये बयान इसलिए भी अहम है क्योंकि बांग्लादेश आर्मी के चीफ जनरल वकार उज जमा ने इस कॉरिडोर को ब्लडी कॉरिडोर कहा था और इस प्रोजेक्ट को खत्म करने को कहा था। ढाका में एक प्रेस वार्ता में लेफ्टिनेंट कर्नल शफीकुल इस्लाम ने म्यांमार के राखिन प्रांत में कथित मानवीय गलियारा शुरू करने की अंतरिम सरकार की पहल से मतभेद का संकेत दिया और कहा कि बांग्लादेश की सेना इस मामले पर कोई समझौता नहीं करेगी। उन्होंने कहा, सेना कॉरिडोर, राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय संप्रभुता से जुड़े मुद्दों पर कोई समझौता नहीं करेगी। 5 अगस्त 2024 के बाद सेना ने देश की खातिर सभी के साथ समन्वय किया है।

गौरतलब है कि 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार के प्रमुख बने थे और सेना ने देश की सुरक्षा संभाला था। सोमवार को बांग्लादेश आर्मी के मुख्यालय में सोमवार को हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस अहम थी। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में आर्मी के बड़े अफसर कर्नल शफीकुल इस्लाम, ब्रिगेडियर जनरल नाजिम उद दौला शामिल हुए।

ब्रिगेडियर जनरल नाजिम उद दौला ने कहा कि देश की स्वतंत्रता, सुरक्षा या संप्रभुता पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। ब्रिगेडियर जनरल नाजिम उद दौला से जब पत्रकारों ने सोशल मीडिया पर सेना और अंतरिम सरकार के बीच मतभेद से जुड़ी खबरों पर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि, कभी-कभी, परिवारों में भी गलतफहमियां हो सकती हैं। इसी तरह, देश चलाने के दौरान अलग-अलग पक्षकार अलग-अलग राय व्यक्त कर सकते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कोई विभाजन या संघर्ष है। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है।

नाजिम-उद-दौला ने कहा, ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि सरकार और सेना के बीच गंभीर मतभेद हैं। मीडिया में जिस तरह से इसे दिखाया जा रहा है, वह सही नहीं है। हम सौहार्दपूर्ण ढंग से और आपसी समझ के साथ काम कर रहे हैं। गलत व्याख्या की कोई गुंजाइश नहीं है। बांग्लादेश सेना ने मीडिया को ये जरूर संदेश दिया कि सरकार के साथ कोई विवाद नहीं है लेकिन सेना ने म्यांमार कॉरिडोर पर रेड सिग्नल दे दिया है। ये नाजिम-उद-दौला के इस बयान से स्पष्ट होता है। इस मौके पर सेना की राय को स्पष्ट करते हुए नाजिम-उद-दौला ने कहा, यह हमारा देश है। इसका कल्याण और संप्रभुता हम सभी से गहराई से जुड़ी हुई है। अगर हमें इस देश को सुरक्षित रखना है, तो हमें खुद ही यह करना होगा। और अगर कुछ भी गलत होता है, तो उसके लिए हम भी समान रूप से जिम्मेदार हैं।

नाजिम-उद-दौला ने म्यांमार कॉरिडोर पर आगे कहा, निश्चित रूप से हम बॉर्डर पर कोई कॉम्प्रमाइज नहीं करेंगे, और जब तक भी हमारे अंदर बिंदु मात्र शक्ति भी होगी, हम लोग इस पर कोई समझौता नहीं करेंगे, ये हमारा देश है हम लोग किसी भी कीमत पर इसकी रक्षा करेंगे।

बांग्लादेश में तख्तापलट का हमारा कोई इरादा नहीं, खबरें अफवाह

-आर्मी चीफ बोले-रखाइन कॉरिडोर को लेकर कोई समझौता नहीं होगा

ढाका, (ए.)। बांग्लादेशी सेना ने अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के तख्तापलट की अटकलों को अफवाह बताया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सेना मुख्यालय के सीनियर अधिकारियों ने ढाका कैंट में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि ऐसी कोई चर्चा नहीं है और हमारा ऐसा कोई इरादा भी नहीं है।

दूसरी तरफ सेना ने रखाइन कॉरिडोर को संवेदनशील मुद्दा बताते हुए समझौता नहीं करने की बात कही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कॉरिडोर एक संवेदनशील मुद्दा है। बांग्लादेश की सेना कभी भी ऐसी किसी कार्रवाई में शामिल नहीं होगी जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता हो। बांग्लादेश में पिछले हफ्ते अंतरिम सरकार और सेना के बीच टकराव खुलकर सामने आया था। आर्मी चीफ जनरल वकार-उज-जमा ने 22 मई को सैन्य मुख्यालय में अपने अधिकारियों से साफ कहा था कि आम चुनाव इस साल दिसंबर से आगे नहीं टलने चाहिए। आर्मी चीफ ने चेतावनी दी कि मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार के पास संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों पर निर्णय लेने का कोई नैतिक या संवैधानिक अधिकार नहीं है। रखाइन कॉरिडोर के मुद्दे पर सेना मार्च से ही कह रही है कि हमारी सहमति के बिना इसे बनाना अवैध है। दरअसल, बांग्लादेश में म्यांमार सीमा पर रखाइन जिले में मानवीय गलियारा बनाने की योजना को लेकर सेना और सरकार आमने-सामने हैं। बांग्लादेश के विदेश सलाहकार तौहीद हुसैन ने ऐलान किया था कि अंतरिम सरकार ने अमेरिका की तरफ से प्रस्तावित रखाइन कॉरिडोर पर सहमति व्यक्त कर दी है। जब यह बात सेना को पता चली तो उनकी तरफ से नाराजगी जताई गई। आर्मी चीफ वकार ने 21 मई को इसे खूनी कॉरिडोर बताया और अंतरिम सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि बांग्लादेश की सेना कभी भी किसी ऐसी गतिविधि में शामिल नहीं होगी जो संप्रभुता के लिए हानिकारक हो। न ही किसी को ऐसा करने की इजाजत देगी। इसके बाद यूनुस सरकार ने यू-टर्न लेते हुए कहा कि उन्होंने किसी भी देश के साथ म्यांमार सीमा पर रखाइन कॉरिडोर को लेकर समझौता नहीं किया है।

विशेष खबरें

440 साल बाद संत टेरेसा को देखने श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

मैड्रिड, (ए.)। स्पेन के अल्बा डे टॉममर्स मे अविला की संत टेरेसा को देखने के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। संत टेरेसा की मृत्यु 440 साल पहले हुई थी। उनके शरीर के अवशेष को चांदी के ताबूत में सुरक्षित रखा गया था। संत टेरेसा 16वीं सदी के सबसे बड़े धार्मिक सुधारक संत के रूप में जाने जाते थे। आज भी उनके श्रद्धालु उनके प्रति श्रद्धा रखते हैं। पहली बार उनके अवशेष के दर्शन करने के लिए ताबूत को खोला गया है। रोजाना भारी भीड़ दर्शन करने के लिए जुट रही है।

हमास ने अमेरिका के युद्धविराम के प्रस्ताव को किया स्वीकार

-10 इजराइली बंधकों के बदले फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई शामिल

गाजा, (ए.)। फिलिस्तीन के उग्रवादी संगठन हमास ने अमेरिका की ओर से गाजा में युद्धविराम के प्रस्ताव को मान लिया है। यह प्रस्ताव ट्रम्प के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ ने दिया था। इस नए प्रस्ताव में 10 इजराइली बंधकों की रिहाई और 70 दिन का युद्धविराम शामिल है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस प्रस्ताव में इजराइल की तरफ से कई फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई भी शामिल है।

अभी तक इजराइल ने इस प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इससे पहले इजराइल और हमास के बीच 19 जनवरी को सीजफायर हुआ था। हालांकि दो महीने बाद यानी 18 मार्च को इजराइल ने सीजफायर तोड़कर गाजा में कई जगह पर मिसाइल अटैक करके कर दिया था जिस पर दुनिया के कई देशों ने नाराजगी जताई थी और इजराइल पर बैन लगाने की बात कही थी।

इजराइल ने गाजा पट्टी के 77 फीसदी हिस्से पर कंट्रोल हासिल कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह दावा गाजा के सरकारी मीडिया ऑफिस ने रविवार को किया था। उन्होंने इजराइल पर नरसंहार का आरोप लगाते हुए संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है। बयान में कहा गया है कि इजराइली सेना ने बफर जोन, सुरक्षा कॉरिडोर और भारी गोलाबारी के जरिए गाजा के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों को अपने कब्जे में लिया है।

बांग्लादेश सचिवालय के मुख्य द्वार पर जडा ताला, बिगड रहे हालात

ढाका, (ए.)। बांग्लादेश में कल सैकड़ों सरकारी कर्मचारियों ने राजधानी ढाका स्थित बांग्लादेश सचिवालय के मुख्य द्वार पर कुछ देर के लिए ताला जड़ दिया। कर्मचारियों ने यह कार्य नए सेवा कानून के खिलाफ विरोध में किया है। नया कानून कदाचार के लिए अधिकारियों को आसानी से बर्खास्त करने का प्रावधान करता है। प्रत्यक्षदर्शियों और मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने लोक सेवा (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ अपने विरोध प्रदर्शन के तीसरे दिन मुख्य द्वार पर ताला लगा दिया। सचिवालय में मंत्रालय और महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालय स्थित हैं। खबरों के अनुसार, कर्मचारियों द्वारा काम बंद रखने के कारण परिसर के अंदर आधिकारिक गतिविधियां काफी हद तक ठप रहीं। मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार द्वारा उस संशोधित कानून को अधिसूचित करने के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ, जिससे कदाचार के लिए अधिकारियों को आसानी से बर्खास्त किया जा सकता है। सरकारी कर्मचारियों ने अध्यादेश को रद्द किए जाने तक प्रदर्शन जारी रखने की धमकी दी है। अधिकारियों ने परिसर में किसी भी संभावित हिंसा के खिलाफ सतर्कता बरतते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है।

निर्वाचन आयोग ने फैसले का विरोध नहीं किया, लेकिन अंतरिम सरकार ने उच्च न्यायालय में इस फैसले को चुनौती दी, जिसमें हुसैन के शपथ ग्रहण पर रोक लगाने तथा महापौर की भूमिका का निर्वहन करने के लिए नियुक्त प्रशासक को काम जारी रखने की अनुमति देने का अनुरोध किया गया। खबर के अनुसार, ढाका दक्षिण नगर निगम के कर्मचारी अदालती आदेश के अनुरूप बीएनपी नेता इशराक हुसैन को महापौर बनाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं, जिसके कारण प्रशासनिक सेवाएं ठप हो गई हैं।

अमेरिकी गोल्डन डोम को लेकर उत्तर कोरिया बोला- स्पेस में परमाणु युद्ध भड़काने जैसा

प्योंगयांग, (ए.)। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने आरोप लगाया कि अमेरिका इस योजना के ज़रिए अंतरिक्ष को सैन्य अड्डा बनाना चाहता है। उन्होंने कहा कि ट्रंप की यह नीति परमाणु संपन्न देशों की रणनीतिक स्थिरता को नुकसान पहुंचाने वाली है और इससे अंतरराष्ट्रीय तनाव और हथियारों की दौड़ बढ़ सकती है। इससे पहले चीन ने भी ट्रंप की इस योजना को लेकर आपत्ति जताई है और कहा है कि यह वैश्विक स्थिरता को कमजोर करती है। रूस ने शुरुआत में योजना को अस्थिर करने वाली बताया, लेकिन बाद में इसे अमेरिका का संप्रभु मामला मानते हुए नरम रवैया अपनाया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई 'गोल्डन डोम' मिसाइल डिफेंस योजना पर उत्तर कोरिया भड़क गया है। उत्तर कोरियाई सरकारी मीडिया ने इस योजना को बेहद खतरनाक बताते हुए कहा है कि इससे अंतरिक्ष में परमाणु युद्ध छिड़ सकता है। उनके मुताबिक, यह पहल पूरी दुनिया की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। विशेषज्ञों के अनुसार, उत्तर कोरिया को डर है कि यह अमेरिकी मिसाइल डिफेंस सिस्टम उसकी अंतरमहाद्वीपीय मिसाइलों की क्षमता को बेअसर कर सकता है। कोरियन इंस्टीट्यूट फॉर नेशनल यूनिफिकेशन के वरिष्ठ विश्लेषक होंग मिन ने कहा, ÷अगर अमेरिका इस प्रणाली को पूरा करता है, तो उत्तर कोरिया को इसे चकमा देने या बेअसर करने के लिए वैकल्पिक हथियार विकसित करने पड़ेंगे। बता दें कि ट्रंप ने इस नई मिसाइल रक्षा प्रणाली के लिए शुरुआती फंडिंग की घोषणा करते हुए कहा था कि यह देश की सुरक्षा और अस्तित्व के लिए बेहद जरूरी है। यह प्रणाली इजरायल के 'आयरन डोन एटम से प्रेरित बताई जा रही है, जो अल्प दूरी की मिसाइलों को मार गिराने में सक्षम है।

कम समय में फिट और एक्टिव रहने की 'जापानी वॉकिंग' हुई लोकप्रिय

लंदन, (ए.)। कम समय में फिट और एक्टिव रहने की 'जापानी वॉकिंग' दुनियाभर में लोकप्रिय हो चुकी है। जापानी वॉकिंग एक आसान लेकिन असरदार तरीका है, जिसे हर उम्र का व्यक्ति अपनाकर स्वस्थ और युवा बना रह सकता है।जापान में तैयार किया गया यह वॉकिंग पैटर्न अब एक इंटरवल वॉकिंग ट्रेनिंग यानी आईडब्ल्यूटी के नाम से जाना जाता है, जिसे वैज्ञानिक आधार पर एंटी-एजिंग और फिटनेस बढ़ाने वाला रूटीन माना जा रहा है। अब तक लोग हर दिन 10,000 कदम चलने को सेहत के लिए सबसे बेहतर मानते थे, लेकिन जापानी वॉकिंग इस धारणा को एक नई दिशा देती है। इसमें हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग की तर्ज पर 30 मिनट की वॉकिंग को खास तकनीक से किया जाता है।

2026 में शुरू हो जाएगा वेस्ट टू एनर्जी प्लांट, 35 मेगावाट बिजली का होगा उत्पादन

- वेस्ट टू एनर्जी प्लांट से प्रतिदिन 2800 मीट्रिक टन कचरे का होगा निस्तारण
- आगरा में कुबेरपुर स्थित खत्ताघर की 11 एकड़ भूमि पर लगाया जा रहा वेस्ट टू एनर्जी प्लांट
- उत्तर प्रदेश में बिजली संकट को कम करने की दिशा में लगातार प्रयासरत योगी सरकार

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश में बिजली संकट को कम करने की दिशा में योगी सरकार तेजी से प्रयास कर रही है। इसके लिए सरकार द्वारा प्रदेश में कचरे से बिजली उत्पादन के प्लांट लगाए जा रहे है। इसी कड़ी में जनपद आगरा में नगर निगम ने शहर के कचरे को निस्तारित करने और इस कचरे से बिजली बनाने के लिए वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का काम तेज करा दिया है। कुबेरपुर स्थित खत्ताघर की 11 एकड़ जमीन पर प्लांट लगाया जा रहा है। इस प्लांट से करीब 35 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। प्लांट के बनने के न केवल आगरा का कचरा झट से निस्तारित होगा, बल्कि आसपास के जिलों के कचरे को भी यहां निस्तारित कर दिया जाएगा। यह प्लांट 2026 में शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। आगरा नगर निगम का कुबेरपुर में खत्ताघर है। इस खत्ताघर पर ही वेस्ट टू एनर्जी प्लांट लगाने का प्रस्ताव पास हुआ है। टीटीजेड से भी अनुमति मिल चुकी है। आगरा में करीब 35 मेगावाट बिजली पैदा करने की क्षमता वाला प्लांट लगाने का प्रस्ताव पास हुआ। जानकारों का मानना है कि 10 मेगावाट बिजली उत्पादन करने के लिए करीब 500 मीट्रिक टन कचरा प्लांट में जलाया जाता है। ऐसे में 35 मेगावाट बिजली बनाने के लिए करीब 2800- 3000 मीट्रिक टन कचरे की जरूरत होगी। आगरा में प्रतिदिन करीब 750-800 मीट्रिक टन कचरा पैदा होता है। इसमें करीब 400 मीट्रिक टन सूखा, 300 मीट्रिक टन गीला और करीब 50 मीट्रिक टन सिल्ट निकलती है। इस लिहाज से आगरा में निकलने वाला कचरा प्लांट के लिए पर्याप्त नहीं है। इसलिए प्लांट संचालन के लिए फिरोजाबाद और मथुरा तक का कचरा लाकर यहां जलाया जा सकता है। कचरा निस्तारण के लिए नगर निगम मथुरा और फिरोजाबाद निगम के साथ भी अनुबंध किया जा सकता है। नगर आयुक्त अंकित खंडेलवाल ने बताया कि आगरा नगर निगम की करीब 11 एकड़ भूमि पर वेस्ट टू एनर्जी प्लांट बनाया जा रहा है। प्लांट का निर्माण अब गति पकड़ रहा है। भूमि का समतलीकरण, बाउंड्री वॉल बन चुकी है। अब सिविल वर्क शुरू हो रहा है। सितंबर 2026 में इस प्लांट से विद्युत उत्पादन प्रारंभ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वेस्ट टू एनर्जी प्लांट से नगर निगम की न केवल आय होगी, बल्कि कूड़े का निस्तारण पर होने पर खर्च भी बचेगा। कचरे से बिजली बनाने के प्लांट देश में सफलता से काम कर रहे हैं।

सदर पुलिस की वांछित बदमाश से मुठभेड़

50 हजार रुपये का था इनाम, जमानत के पैसों के लिए करता था लूट

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। थाना सदर बाजार पुलिस टीम की ईनामियां व लूट की घटना में वांछित बदमाश से मुठभेड़ हुई। जिसमें अभियुक्त केशव बघेल पुत्र महेश बघेल निवासी थाना जगदीशपुरा को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के पैर में गोली लगी है। इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसीपी सदर सुकन्या शर्मा ने बताया कि केशव बघेल उर्फ नैनू पर 50 हजार का इनाम था। पिछले साल नवंबर में चेन लूट मामले में फरार चल रहा था। चेकिंग के दौरान पुलिस ने केशव को रोकने की कोशिश की। लेकिन केशव अपनी बाइक पर भागने की कोशिश में था। पुलिस के रोकने पर केशव ने पुलिस पर फायर किया। जवाब में पुलिस ने केशव के पैर में गोली मारी। उसके पास से 1 तमंचा 315 बोर मय 1 जिंदा कारतूस, 1 खोखा कारतूस, 1 मोटरसाइकिल, 1200 रुपये बरामद किए गए हैं।

जमानत के पैसे इकट्ठे करने को करता था लूट

पूछताछ में केशव ने बताया कि पुराने केसों में जमानत के लिए रुपये इकटठे करने के लिए ही वारदातें करता था। केशव पर कई केस चल रहे थे। पिछले 10 सालों से लूट कर रहा था। पिछले साल सदर में ही एक चेन लूटने की घटना को अंजाम दिया था। बताया जा रहा है कि केशव कोर्ट में सरेंडर करने की कोशिश कर रहा था।

बच्ची से रेप मामले में 15 दिन में हो कार्रवाई: उप्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। आगरा के थाना जगदीशपुर क्षेत्र में 5 साल की बच्ची से मंदिर में रेप के मामले में उप्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा बबिता चौहान पीड़ित परिवार से मिलने पहुंची। घटना की जानकारी लेने के साथ ही थाना जगदीशपुरा में पुलिस कार्यवाही की भी जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि 15 दिन में कार्रवाई हो। फास्ट ट्रैक कर्ट में केस चलेगा।

18 मई की थी घटना

18 मई की सुबह 5 साल की बच्ची घर के बगल बने मंदिर के बाहर खेल रही थी। तभी पड़ोस में रहने वाला पवित्र उर्फ पम्मी उसे अंदर ले गया। यहां उसने बच्ची के कपड़े उतारे और उसके साथ रेप किया। बच्ची के चीखने पर उसकी दादी मंदिर के अंदर पहुंची। बच्ची की दादी को देखते ही पम्मी खड़ा हो गया और धक्का देकर भाग गया। शोर सुनकर आसपास के लोगों ने आरोपी को पकड़ा। थाने में शिकायत की। पुलिस ने शिकायत पर आरोपी युवक पवित्र उर्फ पम्मी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार भी कर लिया है।

घटनास्थल पर पहुंची अध्यक्ष

बबिता चौहान मंदिर पहुंची। वहां बच्ची के परिजनों से बात की। उसके बाद थाना जगदीशपुरा पहुंची। वहां चल रही कार्यवाही की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बच्चियों से दुष्कर्म की घटनाएं अति संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि फास्ट ट्रैक कोर्ट में केस चलेगा। 15 दिन में कार्यवाही होगी। इस बार की कार्यवाही नजीर बनेगी। उन्होंने कहा कि युवक को मानसिक रूप से बीमार बताया जा रहा है, जिससे मैं सहमत नहीं हूं। बबिता चौहान ने कहा कि परिवार समझौता करना चाहता था, लेकिन हमने काउंसिलिंग के बाद परिवार को कार्रवाई के लिए मनाया। इस दौरान एसीपी मयंक तिवारी और एसीपी सुकन्या शर्मा मौजूद रहे।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाला दुराचारी अभियुक्त गिरफ्तार

आगरा। नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को थाना खंदौली पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। 17 मई को थाना खंदौली पर एक व्यक्ति द्वारा, 16 मई को अभियुक्त द्वारा उसकी पुत्री को शादी का झांसा देकर बहला फुसलाकर ले जाने, के सम्बन्ध में तहरीर दी गई थीं। 20 मई को मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अपहर्ता को खंदौली इंटरचेंज से बरामद कर सकुशल परिजनों को सुपुर्द किया गया। 28 मई को थाना खंदौली पुलिस टीम द्वारा चेकिंग/गस्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्त बीरेन्द्र पुत्र राजवीर निवासी तानगढ़ी थाना खंदौली को एत्मादपुर खंदौली मार्ग से गिरफ्तार कर लिया गया। इसी दौरान विवेचना मुकदमा उपरोक्त में धारा 64(1) बीएनएस व धारा 3/4 पोक्सो एक्ट की बढ़ोत्तरी की गई। पुलिस टीम में थाना प्रभारी खंदौली राकेश कुमार चौहान प्रशिक्षु उपनिरीक्षक नितिन कुमार कांस्टेबल इन्द्रजीत व नरेन्द्र कुमार शामिल थे।

एत्मादपुर टोल प्लाजा पर कथित किसान नेताओं की गुंडई: कैमरा ढंका, बूम तोड़कर बिना टोल निकले

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। जनपद के एत्मादपुर के यमुना एक्सप्रेस वे खंदौली टोल प्लाजा पर मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के पदाधिकारियों ने जमकर हंगामा किया। नोएडा से आगरा जा रहे बोलेरो सवार भाकियू के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री ककआ सिंह और जिलाध्यक्ष धर्मवीर सिंह ने टोल देने से मना कर दिया। पदाधिकारियों ने गाड़ी नंबर स्कैन न हो, इसलिए टोल प्लाजा के कैमरे को गमछे से ढक दिया। इतना ही नहीं, गार्ड से गाली गलौज करते हुए बूम को जबरदस्ती हटाकर गाड़ी निकाल ले गए। करीब तीन घंटे बाद जब वे नोएडा वापस लौट रहे थे, तब टोल कर्मचारियों ने उनकी गाड़ी रोक ली। इस पर भाकियू नेताओं ने अपने समर्थकों को टोल प्लाजा पर बुला लिया और धरने पर बैठ गए। सूचना मिलते ही एक्सप्रेस वे चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने करीब 30 मिनट की समझाइश के बाद स्थिति को शांत कराया। पूरी घटना टोल प्लाजा पर लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है।

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नॉन-इन्टरलाकिंग कार्य के कारण रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन एवं आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है :-

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
05305	छपरा-आनन्द विहार टर्मि.	23.06.25, 26.06.25, 30.06.25 एवं 03.07.25
05306	आनन्द विहार टर्मि.-छपरा	25.06.25, 28.06.25, 02.07.25 एवं 05.07.25

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि	निर्धारित मार्ग	परिवर्तित मार्ग	स्टेशन पर ठहराव नहीं रहेगा
15110	मथुरा - छपरा	25.06.2025, 27.06.2025, 30.06.2025	बाराबंकी-गोंडा-मनकापुर	बाराबंकी-अयोध्या कैंट-मनकापुर	गोंडा
15109	छपरा - मथुरा	25.06.2025, 27.06.2025, 30.06.2025	छपरा-भटनी-गोरखपुर-गोंडा-ऐशबाग-कानपुर सेन्ट्रल	छपरा-भटनी-मऊ-वाराणसी-बनारस-प्रयागराज कानपुर सेन्ट्रल	देवरिया सदर-गोरखपुर-खलीलाबाद-बस्ती-बभनान-मसकनवॉ-मनकापुर-गोंडा-बाराबंकी-बादशाह नगर-ऐशबाग
15110	मथुरा - छपरा	02.07.2025	कानपुर सेन्ट्रल-ऐशबाग-गोंडा-गोरखपुर-भटनी-छपरा	कानपुर सेन्ट्रल-प्रयागराज-बनारस-वाराणसी-औड़िहार-मऊ-भटनी-छपरा	ऐशबाग-बादशाह नगर-बाराबंकी-गोंडा-मनकापुर-मसकनवॉ-बभनान-बस्ती-खलीलाबाद-गोरखपुर-देवरिया सदर
02569	दरभंगा - नई दिल्ली	28.06.2025, 04.07.2025	छपरा-गोरखपुर गोंडा-ऐशबाग-कानपुर सेन्ट्रल	छपरा-औड़िहार-वाराणसी-बनारस-प्रयागराज-कानपुर सेन्ट्रल	सीवान-देवरिया सदर-गोरखपुर-बस्ती-ऐशबाग
02563	बरौनी - नई दिल्ली	28.06.2025, 04.07.2025	छपरा-गोरखपुर गोंडा-ऐशबाग-कानपुर सेन्ट्रल	छपरा-औड़िहार-वाराणसी-बनारस-प्रयागराज-कानपुर सेन्ट्रल	सीवान-देवरिया सदर-गोरखपुर-बस्ती-ऐशबाग
02564	नई दिल्ली - बरौनी	28.06.2025, 04.07.2025	छपरा-गोरखपुर गोंडा-ऐशबाग-कानपुर सेन्ट्रल	छपरा-औड़िहार-वाराणसी-बनारस-प्रयागराज-कानपुर सेन्ट्रल	ऐशबाग-बस्ती-गोरखपुर-देवरिया सदर-सीवान
02570	नई दिल्ली - दरभंगा	28.06.2025, 04.07.2025	छपरा-गोरखपुर गोंडा-ऐशबाग-कानपुर सेन्ट्रल	छपरा-औड़िहार-वाराणसी-बनारस-प्रयागराज-कानपुर सेन्ट्रल	ऐशबाग-बस्ती-गोरखपुर-देवरिया सदर-सीवान
12597	गोरखपुर-छत्र.शिवाजी महाराज टर्मिनस	01.07.2025	गोरखपुर गोंडा-मल्हौर-लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल	गोरखपुर-भटनी मऊ-वाराणसी-बनारस-प्रयागराज कानपुर सेन्ट्रल	खलीलाबाद-बस्ती-गोंडा-लखनऊ

रेलगाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन

गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि	आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन के स्टेशन	टिप्पणी
22199	ग्वालियर-बलरामपुर	02.07.2025	लखनऊ स्टेशन तक जायेगी (आलमनगर-लखनऊ मार्ग परिवर्तन)	लखनऊ-बलरामपुर के बीच निरस्त रहेगी
22200	बलरामपुर-ग्वालियर	03.07.2025	लखनऊ स्टेशन से चलेगी (लखनऊ-आलमनगर मार्ग परिवर्तन)	बलरामपुर-लखनऊ के बीच निरस्त रहेगी

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 922/25(AS)

मानसिक रूप से विक्षिप्त नाबालिग बालिका को हरीपर्वत पुलिस ने परिजनोंको सौंपा: परिजनों ने जताया आभार

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। गुम हुई मानसिक रूप से विक्षिप्त नाबालिग बालिका के परिजनों का पता लगाकर बालिका को थाना हरीपर्वत पुलिस टीम द्वारा किया गया सकुशल परिजनों को सुपुर्द। 27 मई को सूचनाकर्ता द्वारा थाना हरीपर्वत पर सूचना दी गयी कि,श्री भगवान हॉस्पिटल के सामने गधा पड़ा पर एक मानसिक रूप से विक्षिप्त लड़की जिसकी उम्र करीब 15 वर्ष है।, जोकि अपना नाम व अपने माता पिता का नाम और अपना घर का पता नहीं बता पा रही है। इस सूचना का थाना प्रभारी हरीपर्वत प्रदीप कुमार त्रिपाठी द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए बालिका के परिजनों को खोजने के लिए थाना हरीपर्वत पर पुलिस टीम का गठन किया गया। 27 मई को गठित पुलिस टीम ने आस पास के लोगों से पूछताछ करते हुए, सीसीटीवी फुटेज की सहायता एवं अथक प्रयासों के उपरान्त से बालिका के सिकंदरा निवासी परिजनों (नाना नानी) का पता लगाकर बालिका को उसके परिजनों(नाना नानी) के सुपुर्द किया गया । अपनी गुम हुयी बालिका को पाकर परिजनों द्वारा थाना हरीपर्वत पुलिस टीम व आगरा पुलिस की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए धन्यवाद किया गया। पुलिस टीम में इंस्पेक्टर हरीपर्वत प्रदीप कुमार त्रिपाठी उप निरीक्षक सत्यपाल सिंह उप निरीक्षक गौरव गुप्ता महिला हेड कास्टेबल विनीता यादव शामिल रहीं।

बहुचर्चित पनवारी काण्ड: 34 साल बाद आगरा कोर्ट ने 36 को माना दोषी: 1990 में हुआ था बवाल

15 लोगों को संदेह के अभाव में किया बरी, 36 को दोषी करार

पनवारी कांड में आज एससी एसटी पुष्कर उपाध्याय की कोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत ने 36 आरोपियों को दोषी माना है। 15 को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। 30 मई को दंड मात्र की सुनवाई होगी

दोषियों को कोर्ट से ले जाती पुलिस

कोर्ट में गए बुजुर्ग को पानी पिलाती पुलिस

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। 1990 में हुए पनवारी कांड में 34 साल बाद कोर्ट ने 36 लोगों को दोषी करार दिया है और सबूतों के अभाव में 15 लोगों को बरी कर दिया गया है। इस मामले में 34 सालों में 27 आरोपियों की मौत हो चुकी है। 30 मई को कोर्ट दोषियों के खिलाफ सजा सुनाएगी। घटनाक्रम 21 जून 1990 का है। सिकंदरा के गांव पनवारी निवासी चोखेलाल जाटव की बेटी मुंद्रा की शादी थी। सदर के नगला पद्मा से रामदीन की बरात आई थी। जाट समाज के लोगों ने बरात चढ़ाने का विरोध किया था। इस कारण बरात नहीं चढ़ सकी। दूसरे दिन पुलिस प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में बरात चढ़ाई जा रही थी। तब पांच-छह हजार लोगों की भीड़ ने बरात को चढ़ने से रोका था।पुलिस ने भीड़ को रोकने के लिए बल प्रयोग किया था। फायरिंग तक करनी पड़ी थी। गोली लगने से सोनी राम जाट की मृत्यु हो गई थी।

पनवारी कांड

सिकंदरा थाने के गांव पनवारी में 21 जून 1990 में जाटव समाज की बेटी की बारात आई थी। आरोप है कि जाटों ने अपने घर के सामने बारात नहीं निकलने दी। इसी को लेकर हुई तनातनी ने दंगे का रूप ले लिया। पूरे आगरा में प्रतिक्रिया हुई। जाटव समाज के घर जला दिए गए। आगरा में कर्फ्यू लगा दिया गया। इस घटना की राजनीतिक प्रतिक्रिया हुई। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी तक आगरा आए थे। इस मामले में 22 जून 1990 को सिकंदरा थाने में तत्कालीन थाना प्रभारी ने छह हजार अज्ञात लोगों के खिलाफ बलवा, जानलेवा हमला, एसएसी एसटी एक्ट, लोक व्यवस्था भंग करने व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। मगर, घटनास्थल से किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई थी। इस मामले में विधायक चौधरी बाबूलाल भी आरोपी थे। जो 2022 में बरी हो गए थे।

80 के खिलाफ हुई थी चार्जशीट

वकील शमशेर सिंह ने बताया कि पनवारी में घटना होने के बाद इसकी प्रतिक्रिया अकोला में भी हुई थी। थाना कागारौल में भी मुकदमा दर्ज हुआ था। उस समय के तत्कालीन एसओ ओमवीर सिंह राणा ने एक राहगीर की सूचना पर मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले में 80 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हुई थी। 27 की मौत हो चुकी है। 53 जीवित थे। सुनवाई चली, जिसमें आज एससीएसटी कोर्ट ने एवीडेंस सुनने के बाद 36 लोगों को दोषी माना है। तीन लोग कोर्ट में हाजिर नहीं हुए थे, जिनके खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी किया गया है। दोषियों के खिलाफ धारा 147, 148, 149 और 310 में मुकदमा दर्ज हुआ है। वकील ने बताया कि कोर्ट में घटना में चुटैल लोगों की गवाही मुख्य आधार बनी। इस मामले में अब तक 35 लोगों के बयान हुए हैं।

भारत विकास परिषद् संस्कार साखा ने की गौ सेवा : उठाई गौमाता को राष्ट्रीय प्राणी घोषित करने की मांग

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। भारत विकास परिषद आगरा संस्कार मुख्य शाखा द्वारा आज वैशाख मास के अंतर्गत सेवा कार्यों में गौ माता की सेवा श्री राधा कृष्ण गौशाला फाउंड्री नगर पर की गई। कार्यक्रम संयोजक जतिन अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की अगुवाई वाली भाजपा सरकार से गौमाता को राष्ट्रीय प्राणी घोषित करने की मांग की। इस दौरान सनातनी परंपराओं से ओत-प्रोत पदाधिकारियों ने गऊ माता को तीन ट्रॉली भूसा एक टेंपो फल खरबूजा खीरे तरबूज और हरि सब्जी एक टेम्पू हरा चारा खिलाकर गौ सेवा की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शाखा संरक्षक केशव दत्त गुप्ता ने गौ सेवा के फायदे को बताया अध्यक्ष मनोज अग्रवाल पोली भाई सभी आगंतुकों का स्वागत किया। सचिव प्रशांत अग्रवाल कोषाध्यक्ष जितेंद्र बंसल ने सभी व्यवस्थाओं को संभाला। गऊ सेवा मे प्रांतीय अध्यक्ष उमेश बंसल प्रांतीय गतिविधि संयोजक टीटू गोयल ऋषि अग्रवाल तरुण मित्तल अनूप अग्रवाल डॉक्टर नरेंद्र गुप्ता मनीष बंसल सौरभ अग्रवाल निहारिका अग्रवाल उर्मिल बंसल दीपाली आदि सदस्य मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पंचायत ज्योतीखुड़िया जनपद मैनपुरी।

पत्रांकः 177/न0पं0ज्यो0खु0/रा0वि0आ0/नि0सू0/2025-26 दिनांकः 27 मई, 2025

-: निविदा सूचना :-

पंजीकृत फर्मों/ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्राप्त धनराशि से दिनांक 05.06.2025 को प्रातः 10.30 बजे से अपरान्ह 3.00 बजे तक सीलबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है। प्राप्त सभी निविदायें उसी दिवस की सायं 4.00 बजे उपस्थित ठेकेदार/फर्म अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष अधिशासी अधिकारी/अध्यक्ष नगर पंचायत ज्योतीखुड़िया द्वारा खोली जायेगी। निविदा प्रपत्रों की बिक्री नगर पंचायत ज्योतीखुड़िया कार्यालय में दिनांक 29.05.2025 से दिनांक 05.06.2025 तक की जायेगी। निविदा के साथ 02 प्रतिशत धरोहर राशि अधिशासी अधिकारी के पदनाम बन्धक होगी, एफ.डी.आर. को मूलरूप में निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। बिना धरोहर राशि के कोई भी निविदा मान्य नहीं होगी। बिना कारण बताये किसी भी निविदा/समस्त निविदाओं को अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी नगर पंचायत ज्योतीखुड़िया में निहित होगा। खुली व सशर्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जायेगा। अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत कार्य की सूची।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित आगणन की धनराशि	धरोहर राशि	निविदा मूल्य
1.	एक्रूअल बेस दोहरी लेखा प्रणाली क्रियान्वयन (सम्पूर्ण कार्य पत्रावली में रखें शासनादेश के अनुसार)	1,50,000.00	3,000.00	150.00

निविदाओं की शर्तें:-

1- बिना कारण बताये निविदाओं को स्वीकृत/अस्वीकृत/निरस्त करने का अधिकार अधिशासी अधिकारी में निहित होगा।
2- सशर्त निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।
3- निविदा प्रकाशन से पूर्व के ही पंजीयन मान्य होंगे।
4- उक्त निविदाओं में एकल निविदा मान्य नहीं होगी।
5- विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय नगर पंचायत ज्योतीखुड़िया में की जा सकती है।
6- आपराधिक रिकार्ड वाले निविदादाता को निविदा प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति नहीं होगी।
7- कोई भी निविदादाता जो स्टेट बार कॉसिल में पंजीकृत है, वह निविदा प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकते।

(डॉ0 अवनीश कुमार गंगवार)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत ज्योतीखुड़िया, मैनपुरी

(श्रीमती प्रेमलता माथुर)
अध्यक्ष
नगर पंचायत ज्योतीखुड़िया, मैनपुरी।

संपादकीय

जीवन में कुछ बनने के लिए विनम्र होना जरूरी- बीज को भी पेड़ बनने जमीन के नीचे दबना पड़ता है

वैश्विक मानवीय जीवन छैली को अगर हम देखें तो आधुनिकता का भाव कूट-कूट कर भरा है। वर्तमान डिजिटलाइजेशन और वैज्ञानिक युग में वैश्विक स्तरपर पुरानी परंपराओं, पौराणिक मान्यताओं, रीति-रिवाजों की सोच, आज वैश्विक स्तर पर वैज्ञानिक सोच ने इनका स्थान ग्रहण लिया है। स्थिति आज ऐसी हो गई है कि यदि कोई इन रीति-रिवाजों, मान्यताओं, पौराणिक धार्मिकता, पर अपनी बात करेगा तो उसे पुरानी सोच, दकियानूसी बातें, हो गया पुराना जमाना, कह कर हंसी का पात्र बना दिया जाता है।....बात अगर हम भारत की करें तो कुछ स्तर पर यहां भी ऐसी सोच पाश्चात्य देशों की तर्ज पर स्थापित होती जा रही है। परंतु यह भारतीय मिट्टी इसे सिरे से खारिज करने में अदृश्य अनमोल रोल अदा कर रहीं है।...बात अगर मानवीय गुणों की करें तो भारतीय मानवीय गुण विश्व में सर्वाधिक प्रसिद्ध है। मानवीय गुणों की श्रेष्ठता में भारत प्रथम रैंक में आएगा ऐसा मेरा मानना है। साथियों,, मानवीय गुणों में अनेक ज्ञानात्मक, क्रियात्मक, विचारात्मक, संस्कार, आत्मक गुण, शामिल होते हैं। हम आज विनम्रता गुण पर चर्चा करेंगे...साथियों,, मेरा मानना है कि भारतीय मिट्टी में विनम्रता का गुणा कूट-कूट कर भरा है। बस इसे ग्रहण करने की जरूरत है। विनम्रता गुण जिसने ग्रहण किया उसमें आध्यात्मिकता, सहिष्णुता की भावना, कर्मवाद, विश्वबंधुत्व उच्च संस्कार, आशावादिता, अतिथि देवो भव वाले विचार, स्वभावरूपी आभूषण, बहुमूल्य सिंगार, अपने आप समाहित हो जाते हैं। साथियों,,आज भारत में जन्मा प्रवासी भारतीय या मूल भारतीय व्यक्ति आज विश्व के कोने-कोने में अपनी एक विशेष उपस्थिति दर्ज कराते हुए मिलेगा। चाहे वह विदेशों में मजदूरी का काम करता है या किसी देश का संसद, उपराष्ट्रपति, उद्योगपति, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेशनल हो तो उसे उस देश के प्रशासक प्राथमिकता देगें क्योंकि वह अपेक्षाकृत अधिक मेहनती, विनम्र, और योग्य है। उसमें अनेक मानवीय गुण अपेक्षाकृत अधिक समाए हुए हैं और विनम्रता का भाव अधिक है इसीलिए उसका सम्मान होता है। और वह श्रेष्ठमानव की श्रेणी में आता है। विनम्रता के कारण मानव किसी को भी जल्दी संप्रेषण कर आसानी से उसे संतुष्ट कर सकता है। सभको अपना बना लेता है, समाज में श्रेष्ठस्थान पाता है। विनम्रता एक ऐसी खान है जिसमें सहनशीलता, दया, परोपकार, प्रसन्नता, प्यार, वाणी, सुव्यवहार, स्वभाव, आचरण, रूपी अनेक अस्त्र समाहित होते हैं जिससे कोई भी जंग जीतना आसान हो जाता है। क्योंकि उस खान में इतने अस्त्रों से सम्मानित व्यक्ति किसी भी जंग में हार नहीं सकता। इसलिए ही कहा गया है बिना मूल्य मनुष्य का बहुमूल्य आभूषण और श्रृंगार उसकी नम्रता का गुण है। साथियों,, अगर हम गंभीरता से देखें तो एक व्यक्ति के व्यक्तित्व को जानने की पहली सीढ़ी उसकी विनम्रता रूपी गुण होती है। तभी आगे व अन्य मानवीय गुणों को प्राप्त करेगा। आज के आधुनिक युग में मानवीय गुणों की विलोप्ता तेजी से बढ़ी है और धनबल का अस्तित्व बढ़ रहा है, परंतु यहां भारतीय संस्कार और भारत की मिट्टी अपना प्रभाव दिखाकर भारत में विनम्रता के विस्तार में अग्रसर है, क्योंकि व्यक्ति की परवरिश में परिवार के संस्कार और देश की संस्कृति का असर तो होता ही है। फलस्वरुप उसके व्यवहार में विनम्रता का गुण पनपता है, जिसका श्रेय ही भारत की मिट्टी, धरोहर को जाता है। विनम्रता एक ऐसा मानवीय गुण है जो धन बल से खरीदा नहीं जा सकता। विनम्रता का गुण बड़ी-बड़ी समस्याओं, विपत्तियों, विपरीत परिस्थितियों, दुखों, का निवारण इस विनम्रता रूपी अस्त्र से किया जा सकता है और अंतिम जीत विनम्रता की ही होती है। विनम्रता गुस्से, कटुता, की काट है। क्योंकि विनम्रता का पलड़ा अहंकार, गुस्से, और ज्ञान के पलड़े से भारी होता है। कोई व्यक्ति कितना भी शिक्षाप्रद, बड़ा अधिकारी, बड़ा मंत्री, क्यों ना हो विनम्रता के बिना उसका यह अस्तित्व व्यर्थ है, उसके सामने एक निरीह, अनपढ़, और विनम्रता से ओतप्रोत मानव सफल, सचेत, और मूल्यवान माना जाएगा और अंतिम जीत विनम्रता धारक व्यक्ति की ही होगी। साथियों,, जीवन तनावमुक्त, प्रेम, प्रसन्नता, सौदाहर्यता, जीवन में सुखशांति, रिश्तो में माधुर्यता प्राप्त करना है तो मानवीय गुणों के इस विनम्र भाव को अपनाना होगा, क्योंकि जीवन में कुछ करने के लिए विनम्र होना जरूरी है जैसे एक बीज को भी जमीन के नीचे दबना पड़ता है उसके बाद ही अंकुरित होकर विशालकाय पेड़ का स्वरूप लेता है।

अरावली पहाड़ का उजड़ना चिंताजनक

पंकज चतुर्वेदी

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में बीते कुछ दिनों से गर्मी के साथ आकाश में छाए धूल के गुबार ने सांस के मरीजों के लिए जीवन का संकट खड़ा कर दिया है।

हरियाणा के भिवानी में बवंडर ऐसा था कि दृश्यता 200 मीटर नहीं रह गई थी। रेत के तूफान ने राजस्थान के बीकानेर में भी लोगों को भयभीत किया वहां धूल ने सूरज को ढंक दिया और 455 डिग्री की गर्मी को घुटन में बदल दिया। कहने की जरूरत नहीं कि यह रेतीली आंधी पाकिस्तान से उठी थी। वैसे तो हर साल मानसून आने से पहले दिल्ली और उत्तर-पश्चिम भारत में ऐसे धूल भरे तूफान आना आम है। इस मौसम में सऊदी अरब और कभी-कभी सहारा जैसे दूरदराज के इलाकों से उठने वाली धूल पश्चिमी हवाओं के जरिए यहां तक पहुंच जाती है। चिंता की बात यह है कि इस तरह के धूल भरे अंधड़ की संख्या और दायरा साल-दर-साल बढ़ता जा रहा है। समझना होगा कि यह सीधे-सीधे जलवायु परिवर्तन का प्रभाव है। 2015 के बाद से ऐसे अंधड़ों की संख्या बढ़ती जा रही है। अंधड़ से जान-माल का नुकसान तो होता ही है, सार्वजनिक संपत्तियों को भी खासा नुकसान होता है। अंतरराष्ट्रीय जर्नल 'अर्थ साइंस इंफोरमैटिक्स' में प्रकाशित एक शोध में चेतावनी दी जा चुकी है कि अरावली पर्वतमाला में पहाड़ियों के गायब होने से राजस्थान में रेत के तूफान में वृद्धि हुई है।

भरतपुर, धौलपुर, जयपुर और चित्तौड़गढ़ जैसे स्थानों, जहां अरावली पर्वतमाला पर अवैध खनन, भूमि अतिक्रमण और हरियाली उजाड़ने की अधिक मार पड़ी है, को सामान्य से अधिक रेतीले तूफानों का सामना करना पड़ रहा है। केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के पर्यावरण विज्ञान के प्रोफेसर एल के शर्मा और पीएचडी स्कॉलर आलोक राज के अध्ययन 'असेसमेंट ऑफ लेंड यूज डायनामिक्स ऑफ द अरावली यूजिंग इंटीग्रेटेड' में कहा गया है कि गांठ बांध लें कि दिल्ली, राजस्थान के गैर-मरु स्थलीय जिलों और हरियाणा का अस्तित्व अरावली पर टिका है, और अरावली को नुकसान का अर्थ है कि देश के अन्न के एक कटोरे पंजाब तक बालू के धोरों का विस्तार।

रेत के बवंडर खेती और हरियाली वाले इलाकों तक न पहुंचें, इसके लिए सुरक्षा-परत या शील्ड का काम हरियाली और जल-धाराओं से संपन्न अरावली पर्वतमाला सदियों से करती रही है। इसरो का एक शोध बताता है कि थार रेगिस्तान अब राजस्थान से बाहर निकल कर कई राज्यों में जड़ें जमा रहा है। सनद रहे कि राजस्थान से सुदूर पाकिस्तान और उससे आगे तक फैले भीषण रेगिस्तान से हर दिन लाखों टन रेत उड़ती है। खासकर गर्मी में यह धूल पूरे परिवेश में छा जाती है। मानवीय जीवन पर इसका दुष्परिणाम ठंड में दिखने वाले स्मोग से अधिक होता

है। विडंबना है कि बीते चार दशकों में यहां मानवीय हस्तक्षेप और खनन इतना बढ़ा है कि कई स्थानों पर पहाड़ की श्रृंखला की जगह गहरी खाई हो गई और इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि उपजाऊ जमीन पर रेत की परत का विस्तार हो रहा है। गुजरात के खेड ब्रह्म से शुरू हो कर कोई 692 किमी. तक फैली अरावली पर्वतमाला का विसर्जन देश के सबसे ताकतवर स्थान रायसीना हिल्स पर होता है, जहां राष्ट्रपति भवन स्थित है। अरावली पर्वतमाला को कोई 65 करोड़ साल पुराना माना जाता है, और इसे दुनिया के सबसे प्राचीन पहाड़ों में गिना गया है। ऐसी महत्त्वपूर्ण प्राकृतिक संरचना का बड़ा हिस्सा बीते चार दशक में पूरी तरह न केवल नदारद हुआ, बल्कि कई जगह उतूंग शिखर की जगह डेढ़ सौ फुट गहरी खाई हो गई। असल में अरावली पहाड़ रेगिस्तान से चलने वाली आंधियों को रोकने का काम करते रहे हैं, जिससे एक तो मरूभूमि का विस्तार नहीं हुआ दूसरा इसकी हरियाली, साफ हवा और बरसात का कारण बनती रही।

एक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में छपी रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दो दशकों में कई अन्य पहाड़ियों के अलावा, ऊपरी अरावली पर्वतमाला की हरियाणा और उत्तरी राजस्थान में कम और मध्य ऊंचाई की कम से कम 31 पहाड़ियां गायब हो गई हैं। ऊपरी स्तर पर पहाड़ियों का गायब होना नरैना, कलवाड़, कोटपूतली, झालाना और सरिस्का में समुद्र तल से 200 मीटर से 600 मीटर की ऊंचाई पर दर्ज किया गया था। याद करें कोई तीन साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने भी सरकार से पूछा था कि आखिर, कौन हनुमान जी ये पहाड़ियां उठा कर ले गए? 1975-2019 के दौरान किए गए एक अध्ययन में पता चला कि वन क्षेत्र में सघन बस्तियां बस जाना पहाड़ियों के गायब होने के प्रमुख कारणों में से एक था।

इस अध्ययन के परिणामों से पता चला है कि 1975-2019 के बीच अरावली की 3676 वर्ग किमी. भूमि बंजर हो गई। ऐसे हालात में अंधड़ की मार का दायरा बढ़ेगा। अरावली पहाड़ का उजड़ना अर्थात वहां जंगल और जल निधियों के उजड़ने, दुर्लभ वनस्पतियों के लुप्त होने के दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। तेंदुए, हिरण और चिंकारा भोजन के लिए मानव बस्तियों में प्रवेश करते हैं, और मानव-जानवर टकराव के वाकिये बढ़ रहे हैं। जान लें अंधड़ बढ़ने से भी जानवरों के बस्ती में घुसने की घटनाएं बढ़ती हैं। अवैध खनन और भूमि अतिक्रमण को कम करने के लिए उपाय किए जाने चाहिए और लगातार क्षेत्र की निगरानी की जानी चाहिए। अरावली को और अधिक नुकसान हुआ तो तेज अंधड़ की मार से दिल्ली भी नहीं बचेगी। चिंताजनक तथ्य है कि बीसवीं सदी के अंत में अरावली के 80 फीसद हिस्से पर हरियाली थी जो आज बमुश्किल सात फीसद रह गई। जाहिर है कि हरियाली खत्म हुई तो वन्य प्राणी, पहाड़ों की सरिताएं और छोटे झरने भी लुप्त हो गए।

सनद रहे अरावली रेगिस्तान की रेत को रोकने के अलावा मिट्टी क्षरण, भूजल का स्तर बनाए रखने और जमीन की नमी बरकरार रखने वाले जोहड़ों और नदियों को आसरा देती रही है। अरावली की प्राकृतिक संरचना नष्ट होने की ही त्रासदी है कि वहां से गुजरने वाली साहिबी, कृष्णावती, दोहन जैसी नदियां लुप्त हो रही हैं। वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट की एक सर्वे रिपोर्ट बताती है कि जहां 1980 में अरावली क्षेत्र के महज 247 वर्ग किमी. क्षेत्र पर आबादी थी, आज यह 638 वर्ग किमी. पर रह गई है। साथ ही, इसके 47 वर्ग किमी. में कारखाने भी हैं।

आतंक की बर्बर हिंसक गतिविधियों से कई देश पीड़ित

भारत आंतरिक और विदेशी (बाह्य) आतंकवाद, दोनों से गंभीर रूप से पीड़ित है। भारत में आतंकवाद के कई कारण और रूप हैं, जिनमें राजनीतिक कारण सबसे अहम है, जिसमें अलगाववादी आंदोलन, जातीय संघर्ष, सीमावर्ती क्षेत्रों में तनाव और पड़ोसी देश द्वारा सीमा से आतंकवादियों की घुसपैठ करा कर आतंकवाद फैलाना शामिल हैं। धर्म या मजहब के नाम पर भी कट्टरपंथी सोच और हिंसा भी आतंकवाद का महत्त्वपूर्ण कारण है। वैचारिक मतभेद, हिंसा द्वारा विचारधारा को फैलाने के हथियार के रूप में इसका इस्तेमाल आम है। सामाजिक-आर्थिक असमानता भी आतंकवाद की वजह रही है जैसे नक्सलबाड़ी से जन्मा वामपंथी नक्सलवाद जो बाद में हथियारबंद तथाकथित आंदोलन बन गया.....

अखिलेश आर्येन्दु

दुनिया में सबसे विकट, गंभीर और बर्बरता का पर्याय आतंकवाद वर्षों से मानवता का विध्वंसक बना हुआ है। आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक स्तर पर इससे अत्यंत गंभीर समस्याएं पैदा हुई हैं।

अमेरिका, अफ्रीका, रूस, फ्रांस, जर्मन, जापान जैसे विकसित देश तो आतंक की बर्बर हिंसक गतिविधियों से पीड़ित हैं ही, तकरीबन सभी एशियाई मुल्क, जिनमें भारत सबसे ज्यादा प्रभावित है, भी इससे त्रस्त हैं।

भारत आंतरिक और विदेशी (बाह्य) आतंकवाद, दोनों से गंभीर रूप से पीड़ित है। भारत में आतंकवाद के कई कारण और रूप हैं, जिनमें राजनीतिक कारण सबसे अहम है, जिसमें अलगाववादी आंदोलन, जातीय संघर्ष, सीमावर्ती क्षेत्रों में तनाव और पड़ोसी देश द्वारा सीमा से आतंकवादियों की घुसपैठ करा कर आतंकवाद फैलाना शामिल हैं। धर्म या मजहब के नाम पर भी कट्टरपंथी सोच और हिंसा भी आतंकवाद का महत्त्वपूर्ण कारण है। वैचारिक मतभेद, हिंसा द्वारा विचारधारा को फैलाने के हथियार के रूप में इसका इस्तेमाल आम है। सामाजिक-आर्थिक असमानता भी आतंकवाद की वजह रही है जैसे नक्सलबाड़ी से जन्मा वामपंथी नक्सलवाद जो बाद में हथियारबंद तथाकथित आंदोलन बन गया। पिछले चार दशकों से भारत में अनेक दुर्दात आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं। ग्यारह राज्यों में दशकों से वामपंथी नक्सलवाद हिंसक गतिविधियां चलाता रहा है, जिसमें हजारों लोग और पुलिस बल (सेना के जवान भी) शिकार हुए हैं। सामाजिक विभाजन को बढ़ावा देने वाले और धर्म व मजहब के नाम पर हिंसा करने वाले अपनी बात जबरन मनवाने वाले संगठन भारत में अराजकता फैलाने का काम करते रहे हैं। कुछ राज्यों में आतंकवाद की वजह से उद्योग, पर्यटन और दूसरे तमाम क्षेत्रों में रोजगार में कमी आई है। इससे शासन और सरकार की स्थिरता पर भी गहरा असर रहा है साथ में, देश भर में अराजकता का माहौल पैदा करने की इनकी कोशिश जगजाहिर है।

यह देशों के बीच संघर्ष और तनाव पैदा करने का काम भी करता है। भारत में 2014 के पहले पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल की सीमा से आतंकवादी घुसपैठ करते थे और बड़े पैमाने पर भारत में तकरीबन सभी राज्यों में बम विस्फोट और हिंसा की बर्बर घटनाएं आये दिन होती थीं, जिससे बड़ी तादाद में जान-माल का नुकसान होता था। कहना न होगा कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद कानून व्यवस्था हर तरह से चाक-चौबंद की गई और आतंकवादी घटनाओं पर कुछ ही महीने में काबू पा लिया गया लेकिन जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवादियों की घुसपैठ पूरी तरह खत्म नहीं हुई। इसी दौरान धारा 370 खत्म की गई और जम्मू-कश्मीर को पुनर्गठित कर तीन केंद्रशासित प्रदेशों कश्मीर, जम्मू और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया। केंद्र सरकार के पिछले दस वर्ष आजादी के इतिहास में कई विकट समस्याओं के समाधान करने वाले रहे हैं। यह सरकार की नीतियों में आमूलचूल बदलाव से ही संभव हुआ है। विदेश नीति के मामले निर्गुट नीति की जगह 'सर्वगुट' नीति को अपनाया गया। गौरतलब है कि 1947 से 2013 तक भारत की विदेश नीति निर्गुट, समझौतावादी और हिंसा का जवाब अहिंसा से देने की रही। यही वजह है कि पिछले चार दशकों से अधिक समय से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और घुसपैठ की घटनाएं भारत में लगातार जारी रहीं। पानी की तरह पैसा बहा कर भी धारा 370 के लागू रहने की वजह से केंद्र का यहां सीमित हस्तक्षेप था, जिसकी वजह से आतंकवाद लगातार फूलता-फलता रहा। जाहिर तौर पर पिछले कई दशकों से आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गया है। यूं तो भारत में आतंकवादी गतिविधियां 50 के दशक में ही बड़े पैमाने पर चालू हो गई थीं। विश्व भर में 1950 के दशक में हुए वामपंथ के उत्थान के बाद आतंकवादी गतिविधियां दुनिया के तमाम मुल्कों में देखी जाने लगी थीं जिनकी जद में यूरोप, अमेरिका, जापान, जर्मनी और भारत जैसे अनेक देश आए लेकिन भारत में आतंकवाद सबसे ज्यादा गंभीर, मुखर और बर्बर गतिविधियों के एक विस्तृत स्वरूप में जारी रहा है।

इसलिए 1967 में गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, बनाया गया। बाद में इस अधिनियम को संशोधित किया गया जिसमें संघीय सरकार को संगठनों और व्यक्तियों को 'आतंकवादी के रूप में नामित करने की शक्ति मिली है। राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (एनएसए) भी अत्यंत कारगर है जिसमें अधिनियम अधिकारियों को आतंकवादियों से ताल्लुक रखने वाले गुटों के सदस्यों को बिना किसी प्रदर्शन के घोषित अवधि के लिए हिरासत में रखने की अनुमति देता है। फिर पोटा कानून बनाया गया लेकिन 2002 में इसे निरस्त कर दिया गया। आतंकवादी एवं विघटनकारी गतिविधियों (रोकथाम) अधिनियम (टाडा) 1985 में लागू किया गया जिसे 1995 में निरस्त कर दिया गया। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के विभिन्न प्रावधानों का भी इस्तेमाल किया जाता है। आतंकवादी गतिविधियों को रोकने में आर्म्स एक्ट लागू है, जो आतंकवादी गतिविधियों में इस्तेमाल होने वाले हथियारों के संबंध में लागू किया जाता है। इसी क्रम में विस्फोटक अधिनियम कानून भी लागू है, जो विस्फोटक चीजों के इस्तेमाल से संबंधित मामलों से ताल्लुक रखता है। कुछ राज्यों ने आतंकवादी गतिविधियों को रोकने के लिए कानून बनाए हैं, जिनमें महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश जैसे राज्य शामिल हैं, जिनके जरिए आतंकवाद को रोकने का कार्य किया जाता है। आतंकवाद मानवता विरोधी, कानून विरोधी, समाज विरोधी, धर्म विरोधी (मानव मूल्यों के क्षरण) बर्बर गतिविधियों की पहचान के साथ दुनिया भर में जारी है। दुनिया में आतंकवाद जिस तेजी से बढ़ा है, और हजारों आतंकवादी संगठन और गुट इसमें लिप्त हैं, ऐसे हालात में भारत के सामने आतंकवाद खत्म करने की बहुत बड़ी चुनौती है। इस चुनौती को दुनिया के उन सभी देशों को स्वीकार करने की जरूरत है, जो आतंकवाद के खतरे से कई तरह से पीड़ित हैं। देखना यह होगा कि भारत के सामने आतंकवाद की जो चुनौती है, उससे पार पाने में दुनिया के कौन-कौन से देश खुल कर भारत का साथ देते हैं।

मोबाइल उपभोक्ताओं को कॉल कनेक्ट में समस्या

लोकल सर्किल्स के सर्वेक्षण से पता चला है कि 89त्न मोबाइल उपभोक्ताओं को कॉल कनेक्ट होने में समस्या हो रही है। इनमें से 40त्न ने अक्सर ऐसी स्थिति का सामना करने की बात की। देश के 342 जिलों के रहवासियों से सर्वेक्षण में छप्पन हजार से अधिक प्रतिक्रियाएं ली गई। कॉल करने में दिक्कत के अलावा अचानक फोन कटने की भी शिकायतें आम हैं। जिससे उपभोक्ताओं को बार-बार डेटा/वाई-फाई कॉल यानी व्हाट्सएप, फेसटाइम या स्काइप करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। डाटा फॉर इंडिया के मुताबिक बीते साल ही भारत में हर सौ लोगों पर 81 मोबाइल कनेक्शन हो चुके हैं। हालांकि इसमें कई लोगों के पास दो से ज्यादा कनेक्शन भी हो सकते हैं। फिर भी अंदाजन इस वक्त 84त्न से अधिक भारतीयों के पास मोबाइल कनेक्शन है, जिसमें स्मार्ट फोन उपभोक्ताओं की संख्या 2026 में सौ करोड़ पहुंचने की उम्मीद की जा रही है। इंटरनेट के प्रयोग और रोजमर्रा में फोन की आवश्यकता ने नौजवानों को मोबाइल कनेक्शन के प्रति बेहद आकृष्ट किया है। आंकड़ों के अनुसार दुनिया के शीर्ष दस दस विकसित देशों की तीन चौथाई आबादी के हाथ में स्मार्टफोन है। बावजूद इसके कंपनियां उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा देने में बुरी तरह नाकाम हैं। इसके लिए सरकार का लापरवाह रवैया भी कम दोषी नहीं कहा जा सकता। उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम होने के बावजूद कंपनियों द्वारा लगातार उनकी उपेक्षा की जाती है। फोन कनेक्शन बढ़ने से उत्साहित टेलीकंपनियों को अपनी सेवाओं को लेकर सतर्क और जवाबदेह बनना होगा। किसी भी व्यावसायिक प्रतिष्ठान के उत्तरदायित्वों के निर्वहन में होने वाली कोताही के प्रति सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए। यदि फोन कंपनियों का इन्फ्रास्ट्रक्चर यह भार सहन करने में सक्षम नहीं है तो वे नये कनेक्शन तब तक देने में हाथ सिकोड़ सकती हैं। जब तक उनका सिस्टम सटीक नहीं हो जाता। जब तारों द्वारा जोड़े जाने वाले लैंड लाइन होते थे, तब लाइन्स सीमित होने के कारण व्यस्त समय में उपभोक्ताओं को सभी लाइनें व्यस्त हैं, जैसी सूचना देने की सुविधाएं थीं। अब तमाम तकनीकी सुविधाओं और मोटी रकम चुकाने वाले उपभोक्ता को फोन कंपनियों की यह जानबूझकर की जा रही लापरवाही क्यों बर्दाश्त करनी पड़ रही है।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज का दिन नया बदलाव लाने वाला है। प्रॉपर्टी डीलर के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, अचानक धन लाभ होगा जिससे आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज आपका स्वास्थ्य फिट रहेगा। इस राशि की महिलाओं को आज जीवनसाथी से सरप्राइज मिल सकता है जिससे पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी। आपके जूनियर आपसे काम सीखने आएंगे। लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। ट्रांसफर के लिए किया गया आवेदन आज स्वीकृत हो जायेगा।

शुभ रंग- ग्रे

शुभ अंक- 5

वृष राशि : आज का दिन खुशियां लेकर आने वाला है। पहले किया हुआ काम आज पूरा हो जायेगा। जिसका सकारात्मक परिणाम आपको मिलेगा। आज अपना धैर्य बनाये रखें और समय के साथ चलें। अपने जज़्बात क़ाबू में रखें फायदा होगा। आज आपको तरक्की के नये रास्ते मिलेंगे। दिक्कतों का तेज़ी से मुक़ाबला करने की क्षमता आपको ख़ास पहचान दिलाएगी। इस राशि के लोगों को आज जीवनसाथी से किसी जरूरी काम में मदद मिलेगी। जिससे काम सरलता से पूरा हो जायेगा।

शुभ रंग- पीला

शुभ अंक- 4

मिथुन राशि : आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज व्यापारियों के लिए दिन शुभ हैं। धनलाभ होने के आसार नजर आ रहे हैं। साझेदारी करना आज आपके लिये फायदेमंद रहेगा। जमीन से जुड़ा बड़ा मामला सुलझ जायेगा। आज ऑफिस में नई पहल करने के लिये दिन अच्छा है। लाभ होने की सम्भावना बन रही है। करियर में आज कुछ बदलाव होने वाला है, तरक्की के नये रास्ते खुलेंगें। आपके मान-सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी।

शुभ रंग- पर्पल

शुभ अंक- 2

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिये अच्छा रहने वाला है। आज आपके काम में आत्मविश्वास की झलक दिखाई देगी। आज आप दूसरों को अपनी बातों से अपनी ओर आकर्षित कर लेंगे। रूका हुआ काम अपनों की मदद से पूरा हो जायेगा। इस राशि के छात्रों को आज प्रतियोगी परीक्षा से संबंधी शुभ समाचार मिलने वाला है, जिसे सुनकर आपके चेहरे खिल उठेंगे। आज जीवनसाथी की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। विरोधी पक्ष आज आपसे दूरियां बनाकर रहेंगे। आज कुछ अनुभवी लोगों से आपकी मुलाकात होगी।

शुभ रंग- नीला

शुभ अंक- 2

सिंह राशि: आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। इस राशि के कारोबारी अपनी प्लानिंग गुप्त रखेंगे, तो सफलता जरूर हासिल होगी। आज आपके सोचे हुए काम पूरे हो जायेंगे। किसी काम में निवेश करने से पहले अच्छी तरह से जांच-पड़ताल कर लें। फालतू की शॉपिंग से बचे और अपनी आर्थिक स्थिति कों मज़बूत करें। दोस्तों के साथ बाहर घूमने का प्लान आज कैंसिल करना पड़ सकता है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को आज किसी अच्छी कंपनी से जॉब का ऑफर आयेगा।

शुभ रंग- हरा

दस्तावेज़ साथ रखना न भूलें। आज कार्यों को लेकर किया गया कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। आज आपका आकर्षक व्यक्तित्व लोगों का ध्यान अपनी तरफ़ खींचेगा। आज रिश्तेदार आपसे मिलने घर आ सकता है, जिससे पूरे घर में खुशी का माहौल बनेगा। आप उनके साथ अलग-अलग पकवानों का आनंद उठाएंगे। बच्चों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

शुभ रंग- पीला

शुभ अंक- 6

धनु राशि : आज का दिन अनुकूल रहेगा। इस राशि के लोग आज समझदारी से काम करेंगें तो आपको फायदा जरूर होने वाला है। बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। पदोन्नती का अवसर मिलने के आसार बन रहे हैं। आज आपके मन में अधिक पैसे कमाने के नये विचार आयेंगें। मुश्किल परिस्थिति में आज किसी मित्र का सहयोग प्राप्त होगा। आज कैश का लेन देन करते समय आपको सावधानी बरतने की आवश्यकता है। आज आप व्यापार को बढ़ाने के लिए नयी योजना बनायेंगे।

शुभ रंग- नीला

शुभ अंक- 1

मकर राशि : आज का दिन नई सौगात लेकर आया है। कारोबार में वृद्धि के लिये आज का दिन शुभ है। पहले से बनी योजनाओं को लागू करना आज ठीक रहेगा। आस-पास के लोग आज आपसे खुश रहेंगें। इस राशि के जो लोग पर्यटन से जुड़े हैं, उन्हें आज आर्थिक लाभ मिलने वाला है। आज आप काम के प्रति सचेत रहें विरोधी आपको नुकसान पहुंचाने की नाकामयाब कोशिश कर सकता है। छात्रों को आज प्रोजेक्ट पूरा करने में बड़ी बहन का सहयोग मिलेगा। अगर आप लोन लेना चाहते है तो आज आवेदन कर दें।

शुभ रंग- पिंक

शुभ अंक- 4

कुंभ राशि : आज आपका मन अध्यात्म में लगा रहेगा। आज ऑफिस में आपका प्रभाव बढ़ेगा। इस राशि के नवविवाहित दंपत्ति को आज किसी सामाजिक समारोह जाना पड़ सकता है। जहां किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जिससे मिलकर मन प्रसन्न हो जायेगा। किसी नये व्यापार में माता-पिता की राय कारगर साबित होने वाली है। स्टूडेंट्स का पढ़ाई में मन लगेगा। घर से बाहर रहकर शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों को आज बड़ी सफलता मिलने वाली है। लवमेट आज एक दूसरे की भावनाओं को समझेंगे। जीवनसाथी आज आपको उपहार देंगे।

शुभ रंग- नीला

शुभ अंक- 7

मीन राशि : आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी सेहत पहले से बेहतर रहेगी। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीज़ें सुधर रही हैं। कॉलेज में दोस्तों के साथ हंसी-मजाक होगा साथ ही बीच में किसी बात को लेकर चर्चा भी करेंगे। आज खुद को व्यर्थ के कामों से दूर रखें। आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगें। लवमेट आज अपने रिश्ते की बात घरवालों से करेंगे, घर वाले आपके रिश्ते से सहमत होंगे। छात्रों के लिए आज का दिन सफलता दिलाने वाला होगा।

शुभ रंग- हरा

शुभ अंक- 2

गिरावट के साथ खुले शेयर बाजार

- सेंसेक्स 800 अंक से ज्यादा टूटा, निफ्टी 24,800 के नीचे फिसला

मुंबई, (ए.)। वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ खुले। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस और इन्फोसिस जैसी भारी भरकम शेयरों में बिकवाली से बाजार फिसल गया। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 100 अंक से ऊपर की गिरावट लेकर 82,038.20 पर खुला। खुलते ही इसमें बिकवाली हावी हो गई। सुबह शुरुआत के बाद यह 726.90 अंक की गिरावट लेकर 81,449.55 पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 28 कंपनियों के शेयर लाल निशान में थे। जबकि केवल इंडसइंड बैंक और एशियन पेंट्स हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंजका निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 24,956.65 पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद यह 233.80 अंक गिरकर 24,767.35 पर कारोबार कर रहा था। वहीं मंगलवार को बीएसई सेंसेक्स में 455 अंक की बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 455.37 अंक या 0.56 प्रतिशत उछलकर 82,176.45 अंक पर बंद हुआ। एनएसई

निफ्टी 148 अंक या 0.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,001.15 पर आ गया। वहीं एशियाई बाजारों में मंगलवार को मिलाजुला रुख रहा। निवेशकों ने यूरोपीय संघ के आयात पर 50 प्रतिशत टैरिफ टालने के ट्रम्प के फैसले पर विचार किया। जापान का निक्केई 0.15 प्रतिशत नीचे था। जबकि ब्रोडर टॉपिक्स इंडेक्स स्थिर था। कोस्पी 0.32 प्रतिशत फिसला। यह सोमवार को तीन महीने के उच्चतम स्तर से नीचे फिसल गया। वहीं, एएसएक्स 200 ट्रेंड के उलट 0.16 प्रतिशत बढ़ा। सोमवार को मेमोरियल डे के कारण अमेरिकी बाजार बंद रहे। लेकिन ट्रम्प के टैरिफ में देरी के बाद फ्यूचर्स में उछाल आया। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज से जुड़े फ्यूचर्स में 1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 1.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई और नैस्डैक 100 फ्यूचर्स में 1.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इससे पहले शुक्रवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 0.67 प्रतिशत नीचे बंद हुआ, डौ जोन्स 0.61 प्रतिशत नीचे रहा और नैस्डैक 1 प्रतिशत नीचे आया।

सेबी ने एमसीएक्स पर लगाया 25 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, (ए.)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सॉफ्टवेयर सेवाओं के लिए भुगतान के संबंध में अपर्याप्त खुलासे के लिए मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स) पर 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। सेबी ने अपने आदेश में कहा कि जुर्माना राशि 45 दिन के भीतर जमा कर दी जानी चाहिए। यह मामला ट्रेडिंग सॉफ्टवेयर अनुबंध के लिए 63 मून्स टेक्नोलॉजीज को किए गए भुगतान के संबंध में खुलासा चूक से संबंधित है। एमसीएक्स ने 2003 में 63 मून्स टेक्नोलॉजीज के साथ एक ट्रेडिंग सॉफ्टवेयर अनुबंध किया था। उस समय 63 मून्स के ही पास एमसीएक्स का पूर्ण स्वामित्व था। वर्ष 2020 में एमसीएक्स ने एक नए ट्रेडिंग मंच पर जाने का फैसला किया और इसका अनुबंध टीसीएस को दिया था। हालांकि, समय पर यह मंच नहीं शुरू हो पाने से एमसीएक्स ने 63 मून्स के साथ ही अधिक लागत पर सेवाओं का

चीन में थाइलैंड की मिंक नुटकैरुट विश्व महिला स्नूकर चैम्पियनशिप में खेलती हुई।

स्कूटर सुजुकी ई-एक्सेस जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली, (ए.)। सुजुकी मोटरसाइकल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर सुजुकी ई-एक्सेस जल्द ही भारतीय बाजार में लॉन्च किया जाएगा। इस स्कूटर का प्रोडक्शन गुरुग्राम प्लांट में शुरू हो चुका है। इसमें बैटरी पैक 3.07केडब्ल्यूएच लिथियम आयरन फॉस्फेट का होगा जिसकी रेंज (सिंगल चार्ज) 95 किमी तक होगी। इसका चार्जिंग टाइम 0-100 प्रतिशत तक 7 घंटे से कम होगा। मोटर पावर 4.1 केडब्ल्यूएच, टॉर्क 15एनएम तथा टॉप स्पीड 71केएमपीएच होगी। इसकी बैटरी फिक्स्ड, स्वैपेबल नहीं है। इसकी ब्रेक लगाते वक्त बैटरी चार्ज होती है, इसको कम मेंटेनेंस की जरूरत होती है। इसकी डिजाइन स्पोर्टी और फ्यूचरिस्टिक है और कलर ऑप्शन में 3 डुअल-टोन विकल्प है। इसके लाइट्स फुल एलईडी (हेडलैंप और टेललैंप) है, इसमें स्मार्टफोन कनेक्टिविटी नेविगेशन और ट्रैफिक अलर्ट की सुविधा दी गई है। कंपनी सुजुकी चाहती है कि उसके सभी डीलर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पूरी तरह तैयार हों। इसके लिए डीलरों को तकनीकी ट्रेनिंग दी जा रही है। आवश्यक इन्फ्रास्ट्रक्चर और टूल्स उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

सुरक्षित निवेश के साथ-साथ कई तरह की सुविधाएं देता हैं फिक्स्ड डिपॉजिट

मुंबई, (ए.)। आमतौर पर सामान्य भारतीय सुरक्षित निवेश के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में निवेश करते हैं। एफडी की सबसे बड़ी खासियत है कि इसमें एक निश्चित रिटर्न मिलता है और आपका पैसा भी सुरक्षित रहता है। लेकिन एफडी में निवेश करने के कई और फायदे भी हैं। एफडी कराकर आप अपने लिए हर महीने कमाई का भी इंतजाम कर सकते हैं।

इस खबर में हम आपकों को एफडी के कई फायदे के बारे में बात रहे

1. एफडी में आपका पैसा हमेशी सुरक्षित रहेगा। यहां जमा राशि पर 5 लाख रुपए तक की बीमा सुविधा मिलती है। इसका मतलब यह हुआ है कि अगर किसी कंडीशन में बैंक डिफॉल्ट कर जाए या बंद हो जाए तब आपके 5 लाख रुपए पर सरकार की गारंटी होगी। यानी डिफॉल्ट केस में भी 5 लाख रुपए आपको मिल जाएंगे।

2. एफडी का दूसरा सबसे बड़ा फायदा यह है कि आपको निवेश की शुरुआत में ही बता दिया जाता है कि मैच्योरिटी पर आपको कितना फायदा होगा। इसकारण इसमें कोई जोखिम नहीं है। किसी भी स्थिति में न उससे ज्यादा पैसा मिलता है और न ही कम। ये बात एफडी को फाइनेंशियल प्लानिंग के लिए एक बेहतरीन टूल बनाती है।

3. अगर आपको पैसों की जरूरत पड़ती है, तब आप एफडी पर लोन ले सकते हैं। सहूलियत के अनुसार आप इसका भुगतान कर सकते हैं। सेबी की वेब साइट पर दी जानकारी के अनुसार आप एफडी की वैल्यू का 95 प्रतिशत तक लोन ले सकते हैं।

उदाहरण के लिए अगर आपकी एफडी की कीमत 1.5 लाख रुपए है, तब आपको 1 लाख 35 हजार रुपए लोन मिल सकता है। अगर आप स्रष्ठ पर लोन लेते हैं, तब आपको एफडी पर मिलने वाले ब्याज से 1 प्रतिशत ज्यादा ब्याज देना होगा। जैसे मान लीजिए कि आपकी एफडी पर 7 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है, तब आपको 8 प्रतिशत की ब्याज दर पर लोन मिल सकता है।

4. एफडी कराकर अपने लिए हर महीने कमाई का भी इंतजाम कर सकते हैं। एसबीआई और एक्सिस बैंक सहित देश के कई प्रमुख बैंक अपने फिक?स?ड डिपॉजिट स्कीम के साथ मंथली इनकम स?कीम की सुविधा निवेशकों को ऑफर कर रहे हैं। अगर आप रिटायरमेंट के बाद या इससे पहले ही मंथली इनकम की तलाश में हैं, तब मंथली फिक?स?ड डिपॉजिट इनकम या मंथली इंटरेस्ट पेआउट एफडी का विकल्प चुन सकते हैं।

मान लीजिए अगर आप 7 प्रतिशत के सालाना ब्याज पर 5 लाख रुपए की एफडी 1 साल के लिए कराते हैं, तब आपको इस पर कुल 35,000 रुपए तैयार ब्याज मिलेगा।

कार खरीदने की प्रक्रिया को आसान बनाया एआई ने

नई दिल्ली, (ए.)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने लोगों के लिए कार खरीदने की प्रक्रिया को भी काफी आसान और सुलभ कर दिया है। दरअसल, एआई ग्राहकों को बेहतर और ज्यादा पर्सनलाइज्ड एक्सपीरियंस देने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह पूरी प्रक्रिया को पहले से कहीं ज्यादा सुविधाजनक, कुशल और पारदर्शी बना सकता है। काफी सारी ऑटोमोबाइल कंपनी ने एआई और चैटबोट पर काफी काम किया है और लोगों के लिए कार खरीदने के अनुभव को काफी आसान बना दिया है। अब घर बैठे कार बुक करा सकते हैं और डिलीवरी आपके घर पर हो जाती है। आइए, आज जानते हैं कि कार खरीदने में एआई कैसे मददगार साबित होता है। कार खरीदने से पहले लोग शोरूम जाकर टेस्ट ड्राइव लेते हैं, जहां सेल्स एग्जिक्यूटिव ग्राहकों को कार के लुक-फीचर्स और पावर-परफॉर्मेंस से जुड़ी सारी जानकारी देता है। अब एआई की मदद से यह काम काफी आसान हो गया है। चैटबॉट और वर्चुअल असिस्टेंट लोगों को सारे सवालों का जवाब देते हैं। लोग अपने घर बैठे ही अलग-अलग कारों की वर्चुअल टेस्ट ड्राइव ले सकते हैं, जिससे आपको कार के इंटीरियर, फीचर्स और ड्राइविंग डायनैमिक्स का एक्सपीरियंस मिल सकता है। एआई -पावर्ड उपकरण आपको कार को अलग-अलग कलर, ट्रिम्स और एक्सेसरीज के साथ कॉन्फिगर करने की अनुमति देते हैं और आप रियल टाइम में देख सकते हैं कि यह कैसी दिखेगी। इससे ग्राहकों को फैसला लेने में आसानी होती है। वर्चुअल शोरूम 24/7 उपलब्ध होते हैं। बता दें कि आजकल काफी सारे ग्राहक कार खरीदते समय फाइनैंसिंग विकल्प अपनाते हैं। ऐसे में एआई फाइनैंसिंग प्रोसेस को फास्ट और ज्यादा पर्सनलाइज्ड बना सकता है।

एआई कार बायर की क्रेडिट हिस्ट्री, फाइनैंशियल कंडिशन और प्राथमिकताओं का विश्लेषण करके पर्सनलाइज्ड लोन टर्म्स के बारे में बताता है। एआई -पावर्ड प्लैटफॉर्म अक्सर तत्काल लोन अप्रूव कराने में मदद करते हैं। एआई कागजी कार्रवाई को स्वचालित करके और लोन अप्रूवल टाइम को कम करके डीलरशिप की एफिसिएंसी में सुधार कर सकता है। बता दें कि एआई कार खरीदने की प्रक्रिया में पारदर्शिता और उचित मूल्य निर्धारण लाने में मदद करता है। दरअसल, ग्राहक अक्सर कन्फ्यूज होते हैं कि उन्हें अपने बजट में कौन-कौन सी कार मिल सकती है। एआई एल्गोरिदम मार्केट डेटा (जैसे कार का मॉडल, साल, माइलेज, स्थिति और स्थान) का विश्लेषण करके एक इस्तेमाल की हुई कार के लिए या एक नई कार के लिए सबसे सही प्राइस का सुझाव दे सकते हैं। एआई धोखाधड़ी वाली लिस्टिंग का पता लगाने और वाहन के इतिहास का विश्लेषण करने में भी मदद कर सकता है। मालूम हो कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल आजकल हर क्षेत्र में धड़ल्ले से हो रहा है और ऐसे में लोग अपने स्मार्टफोन से ही काफी सारा काम कर ले रहे हैं।

लीवरपूल में पीमियर लीग फुटबॉल में जीत के बाद बस में विक्टरी परेड निकालकर जश्न मनाते हुए।

हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेल पाने से हारे : पंड्या

जयपुर, (ए.)। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने पंजाब किंग्स के खिलाफ अंतिम लीग मैच में मिली हार पर निराशा जतायी है। पंड्या ने कहा कि इस मैच में हमने करीब 20 रन कम बनाये जिससे मैच हमारे हाथ से निकल गया। इस मैच मे मुम्बई ने सूर्यकुमार के अर्धशतक की सहायता से 184 रन बनाए थे पर पंजाब के प्रियांश और जोश इंग्लिस ने अर्धशतक लगाकर मैच पलट दिया। । पंड्या ने कहा कि विकेट जिस तरह से खेल रहा था, हम निश्चित रूप से 20 रन कम बना पाये थे। खेल में ऐसा होता ही है, हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं कर पाने से हारे हैं। आईपीएल ऐसा ही है, हमने 5 ट्रॉफ़ी जीती हैं, यह हमेशा ही कठिन रहा है। जब भी आप गति कम करते हैं, तो दूसरी टीमें हावी हो जाती है। हार्दिक ने कहा कि इस मैच से हमें सीख मिली है कि नॉकआउट मुकाबले के लिए हमें तैयार रहना है। हार्दिक ने कहा कि हम बाद में इस पर बात करेंगे कि कहां गलती हुई है हालांकिहम निश्चित रूप से 20 रन कम बना पाये थे। हम शुरुआत में या बीच में इसका लभा उठा सकते थे, हम इसका पता लगा लेंगे।

शुभमन के लिए इंग्लैंड दौरे में कप्तानी आसान नहीं होगीः पुजारा

नई दिल्ली, (ए.)। पूरी टेस्ट क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि नये कप्तान शुभमन गिल के लिए इंग्लैंड दौरा आसान नहीं होगा। पुजारा ने कहा कि इंग्लैंड के अलग हालातों में अगर वह भारतीय टीम को जीत दिलाने में सफल रहे तो इससे उनका और टीम का मनोबल काफी बढ़ जाएगा जिससे लाभ आगे भी होगा। रोहित शर्मा और विराट कोहली के अचानक संन्यास लेने के बाद भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन को मिली है। पुजारा ने कहा, जब आप कप्तान के तौर पर विदेश जाते हैं, तो चाहे आप युवा हों या परिपक्व, यह चुनौतीपूर्ण होगा। इंग्लैंड में शुरुआत करना आसान नहीं होता है पर यह एक युवा खिलाड़ी के लिए शानदार अवसर है। अगर वह इंग्लैंड में अच्छी कप्तानी करते हैं तो इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

पुजारा ने कहा, उन्हें अनुभवी जसप्रीत बुमराह से पहले यह जिम्मेदारी इसलिए दी गई है क्योंकि बुमराह काम के बोझ और फिटनेस की परेशानियों के कारण सभी पांच टेस्ट मैच नहीं खेल पाएंगे। उन्होंने कहा, ''इसलिए अगर ऐसे में युवा शुभमन को जिम्मेदारी दी गई है तो टीम प्रबंधन और चयनकर्ता चाहेंगे कि वह लंबे समय तक टीम की

कप्तानी करें।''

उन्होंने शुभमन को कप्तानी और बल्लेबाजी को अलग रखने को कह। उन्होंने कहा, बल्लेबाज के तौर पर भी उन पर काफी जिम्मेदारी रहेगी पर मुझे भरोसा है कि जिस तरह की प्रतिभा उनमें है, वह इंग्लैंड में सफल होंगे। यह निश्चित रूप से उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा। मुझे नहीं पता कि कप्तान होने के नाते वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाएंगे या नहीं पर एक बल्लेबाज के तौर पर उन्होंने हमेशा टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के प्रयास किये हैं। वह हमेशा ही आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं, ऐसे में उनपर कप्तानी का दबाव आने की संभावना नहीं है।

पुजारा ने कहा, जब आप उच्चतम स्तर पर बल्लेबाज के रूप में खेल रहे होते हैं तो आप कभी यह नहीं सोचते कि आप कप्तान हैं या खिलाड़ी, आप हमेशा टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। आपको इसे अलग रखना होगा, जब आप मध्यक्रम में बल्लेबाजी कर रहे हों तो आपको कप्तानी के बारे में सोचने के बजाय बल्लेबाज के रूप में सोचना होगा।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि उनकी बल्लेबाजी का तरीका बदलेगा, उन्हें उसी तरह बल्लेबाजी करनी होगी जैसे वह बल्लेबाजी करते हैं। वह एक आक्रामक खिलाड़ी हैं, उन्हें अपने शॉट खेलना पसंद है और उन्हें अपने शॉट खेलना जारी रखना होगा, लेकिन साथ ही उन्हें इंग्लैंड की परिस्थितियों को समझने और यह पता लगाने की जरूरत है कि कौन सा गेंदबाज सही है।पुजारा ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के खराब फॉर्म के बावजूद उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए उपकप्तान नियुक्त करने को भी सही ठहराया। उन्होंने कहा, बुमराह कप्तान या उप-कप्तान की भूमिका की दौड़ से बाहर हैं और यही कारण है कि पंत को उप-कप्तानी दी गई है। उन्होंने कहा, वह टी-20 प्रारूप में फॉर्म में नहीं हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में वह सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं। इंग्लैंड में उनका रिकॉर्ड अतीत में काफी अच्छा रहा है और वह उन शानदार पारियों को दोहराने में सक्षम हैं।

पुजारा चाहते हैं कि केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल सलामी बल्लेबाज के रूप में बने रहें, जबकि अगले स्थान के लिए करुण नायर और अभिमन्यु ईश्वरन को रखा जाये।

सूर्यकुमार मुम्बई की ओर से एक सत्र में सबसे ज्यादा रन और छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

जयपुर, (ए.)। मुंबई इंडियंस के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में अपने आक्रामक अर्धशतक के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की है। सूर्या ने इस मैच में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इसी केसाथ ही सूर्या मुम्बई की ओर से एक सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने हैं। सूर्या ने इसी मैच में श्रीलंकाई बल्लेबाज सनथ जयसूर्या के मुंबई की ओर से सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकार्ड भी तोड़ दिया। सूर्यकुमार ने अब तक 14 मैचों में 640 रन बनाये हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड सचिन के नाम था, जिन्होंने साल 2010 में मुम्बई की ओर से 618 रन बनाए थे। सूर्यकुमार ने साल 2023 सत्र में 605 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज के लेंडल सिमंस ने साल 2015 में 540 रन बनाए थे। वहीं रोहित शर्मा

ने 2013 सत्र में 538 रन बनाये थे। इस सत्र में सबसे ज्यादा बार 25 या उससे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड भी सूर्यकुमार के नाम है। उन्होंने 2025 सत्र में अब तक 14 बार 25 से अधिक रन बनाए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड केन विलियमसन के नाम था, जिन्होंने साल 2018 में 13 बार यह रिकार्ड बनाया था। वहीं शुभमन गिल ने साल 2023 सत्र में 13 बार 25 से अधिक रन बनाये थे।

अब टी20 क्रिकेट में लगातार सबसे ज्यादा बार 25 से अधिक रन बनाने का रिकार्ड सूर्यकुमार के नाम है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के तेम्बा बावुमा के लगातार 13 बार 25 से अधिक रनों का रिकॉर्ड्स तोड़ा। इसके अलावा सूर्यकुमार ने इस सत्र में सबसे अधिक छक्के लगाये। सूर्यकुमार ने अब तक 32 छक्के लगाये हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड सनथ जयसूर्या के नाम था, जिन्होंने साल 2008 में 31 छक्के लगाए थे। वहीं तीसरे स्थान पर ईशान किशन हैं, जिन्होंने 2020 में 30 छक्के लगाये थे।

शुभमन को कप्तानी बनाये जाने पर सहवाग ने उठाये सवाल

मुम्बई, (ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम के अगले माह होने वाने इंग्लैंड दौरे के लिए शुभमन गिल को भारतीय टीम का कप्तान बनाये जाने को जहां कई पूर्व क्रिकेटरों ने सही बताया है । वहीं कई दिग्गजों ने इसपर सवाल उठाये हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद सभी को उम्मीद थी कि अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कप्तानी दी जाएगी पर चयन समिति ने शुभमन को कप्तान बना दिया । इसी को पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने गलत बताया है। सहवाग ने कहा कि शुभमन गिल के अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए टेस्ट टीम में उनकी जगह तक नहीं बनती फिर भी उन्हें कप्तानी दे दी गयी।

सहवाग ने कहा, वह दूसरा सबसे अच्छा विकल्प था पर जो प्लेइंग 11 में भी फिट नहीं बैठता, उसे कप्तान कैसे बनाया जा सकता है? इसलिए मुझे लगता है कि यहां तर्क यह था कि उन्होंने देखा कि दूसरा सबसे अच्छा विकल्प कौन था, और वह शुभमन थे और ऐसा ही हुआ। सहवाग हालांकि बुमराह को अतिरिक्त जिम्मेदारी न देने के लिए चयनकर्ताओं से सहमत नजर आये थे।

वहीं पूर्व क्रिकेट मनोज तिवारी ने कहा , एक सीरीज के लिए बुमराह ठीक हैं पर लंबे समय के

विकल्प के रूप में आपको यह जानने की जरूरत है कि अगर भारत एक साल में 10 टेस्ट खेलता है, तो क्या वह खिलाड़ी उन सभी मैचों में खेल पाएगा? या वह कितने मैच खेल सकता है? कप्तान चुनने में यह एक प्रमुख कारक है। इसलिए मुझे लगता है कि शुभमन को कप्तान बनाने का यह सही निर्णय था क्योंकि उन्हें लगा कि वे बुमराह पर इतना दबाव नहीं डाल सकते। तिवारी ने कहा कि गिल दूसरे सर्वश्रेष्ठ हैं, लेकिन मुझे लगता है कि वह ऋषभ पंत हैं, और गिल तीसरे सर्वश्रेष्ठ हैं।

सहवाग ने इसके बाद टेस्ट क्रिकेट में क्रांति लाने और विराट कोहली के बाद आधुनिक समय के दर्शकों के लिए इसे मनोरंजक बनाने के लिए ऋषभ पंत की प्रशंसा की। सहवाग ने यह भी व्यक्त किया कि अगर पंत अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौटते हैं तो उन्हें भविष्य में संभावित कप्तान के रूप में पेश किया जा सकता है। सहवाग ने कहा, ऋषभ ने टेस्ट क्रिकेट के लिए जो किया, वह किसी और खिलाड़ी ने नहीं किया। विराट कोहली के बाद अगर कोई एक खिलाड़ी है जिसने प्रशंसकों को टेस्ट क्रिकेट देखने के लिए मजबूर किया है, तो वह पंत है। लेकिन क्योंकि वह दुर्घटना का शिकार हुआ, चोटिल हो गया और फिर वापस आया, इसलिए उसका उतना प्रभाव नहीं पड़ा जितना पड़ना चाहिये था इसलिए उसे उप-कप्तान बनाया गया, ऐसे में अगर वह फॉर्म में वापस आ जाता है, तो वे भविष्य में उसे कप्तान बनाया जा सकता है।

मशहूर लेखिका वर्जीनिया वुल्फ की किताब में डूबी सृति झा, गहरी भावनाओं को साझा किया

टीवी एक्ट्रेस सृति झा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इन दिनों वह मशहूर लेखिका वर्जीनिया वुल्फ की प्रसिद्ध नारीवादी किताब ए रूम ऑफ वन्स ओन पढ़ रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर इस किताब को पढ़ते हुए एक पोस्ट शेयर की, जिसमें देखा जा सकता है कि वह इस किताब में कितनी डूबी हुई हैं।

बता दें कि ए रूम ऑफ वन्स ओन में वर्जीनिया वुल्फ ने औरतों के लिए रचनात्मक आजादी और आर्थिक स्वतंत्रता की जरूरत को रेखांकित किया है। यह किताब इस विचार पर आधारित है कि एक औरत को अगर लेखन या किसी भी रचनात्मक काम में सफल होना है, तो उसके पास अपने आर्थिक संसाधन होने चाहिए।

एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। पहली तस्वीर में किताब का क्लोज-अप है, जिसमें किताब पर लिखा नाम ए रूम ऑफ वन्स ओन साफ नजर आ रहा है। दूसरी तस्वीर में चाय के कप के साथ पढ़ते हुए कुछ बेपरवाह लम्हे मौजूद हैं। इस तस्वीर में वह एक कप चाय के साथ आराम से बैठकर किताब पढ़ रही हैं। तीसरी तस्वीर किताब के एक पैराग्राफ की है, जिसमें गहराई और भावनात्मकता का अंश है।

तस्वीर में आए किताब के अंश में लिखा है, हाय! अगर कोई औरत कलम चलाने की कोशिश करती है, तो उसे बहुत घमंडी माना जाता है। उसका यह दोष सुधारे जाने लायक नहीं था। लोग कहते हैं कि अच्छा व्यवहार, फैशन, डांस, सजना-संवरना यही सब गुण हैं जो एक महिला में होने चाहिए। अगर हम लिखें, पढ़ें, सोचें या कुछ जानना चाहें, तो कहा जाता है कि इससे हमारी सुंदरता फीकी पड़ जाएगी, हमारा समय बर्बाद होगा। घर संभालना, वो भी एक दास की तरह.. यही कुछ लोगों की नजर में महिला का असली हुनर और मकसद है।

इस पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में उन्होंने किताब का अंश जोड़ा, जिसमें कहा गया कि इतिहास में जिन औरतों को पागल, चुड़ैल, या भूत-प्रेत से ग्रसित बताया गया, वो शायद असल में बेहद प्रतिभाशाली लेखिकाएं, कवयित्रियां, उपन्यासकार थीं, जिन्हें समाज ने समझा नहीं, स्वीकार नहीं किया और उनके हुनर को दबा दिया गया।

सृति झा ने टीवी इंडस्ट्री में असली पहचान प्रज्ञा अरोरा मेहरा के किरदार से पाई, जिसे उन्होंने पॉपुलर टीवी शो कुमकुम भाग्य में निभाया था। इस किरदार से वह घर-घर में मशहूर हो गईं। उन्होंने अपना एक्टिंग करियर 2007 में शुरू किया था। वह पहली बार एक ड्रामा शो धूम मचाओ धूम में नजर आईं। इस शो में उन्होंने मालिनी शर्मा की भूमिका निभाई थी। इसके बाद वह ज्योति, रक्त संबंध, दिल से दी

ब्लैक साड़ी में सुष्मिता सेन ने बिखेरा हुस्न का जलवा, बोल्ड अंदाज़ से जीता फैंस का दिल

सुष्मिता सेन एक बार फिर अपने स्टनिंग लुक को लेकर चर्चा में हैं. इस बार उन्होंने ब्लैक कलर की साड़ी में बेहद ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिसमें उनका बोल्ड और कॉन्फिडेंट अंदाज़ फैंस को खूब पसंद आ रहा है. उन्होंने इस पोस्ट में लिखा, अंधेरे से नहीं डरता, मुझे कभी भी काला रंग दे दो... एक रंग ढ्ढ एक कवच के रूप में मनाएं. सुष्मिता के इस लेटेस्ट फोटोशूट में वह ब्लैक साड़ी के साथ सिल्वर ब्लाउज़ में नज़र आ रही हैं, जो उनके स्टाइलिश और एलिगेंट पर्सनैलिटी को बखूबी दर्शाता है. खुले बाल, डार्क मेकअप और दमदार एक्सप्रेशन उनके लुक को और भी अट्रैक्टिव बना रहे हैं.

एक्ट्रेस ने अपनी इस पोस्ट में अपनी टीम का भी शुक्रिया अदा किया है, जिसमें मेकअप आर्टिस्ट से लेकर फोटोग्राफर और आउटफिट डिजाइनर तक का ज़िक्र किया गया है. इस पोस्ट को अब तक 1 लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं और कमेंट सेक्शन में फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं.

किसी ने उन्हें शान की रानी कहा तो कोई उनकी खूबसूरती को कालातीत बता रहा है. यह तस्वीरें यह साबित करती हैं कि सुष्मिता सेन न सिर्फ एक बेहतरीन एक्ट्रेस हैं, बल्कि फैशन और आत्मविश्वास की भी मिसाल हैं. सुष्मिता सेन अक्सर अपने डिफरेंट फैशन स्टाइल और मोटिवेशनल सोच के लिए जानी जाती हैं. उनकी यह तस्वीरें एक बार फिर दर्शा रही हैं कि कैसे वह हर लुक को आत्मविश्वास के साथ कैरी करती हैं और एक मजबूत महिला की

तनाव को तुरंत दूर करने के लिए अपनाएं ये 5 आसान और प्रभावी तरीके

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव एक आम समस्या बन गई है। चाहे ऑफिस का काम हो या घर की जिम्मेदारियां, हर जगह तनाव का सामना करना पड़ता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ सरल और प्रभावी तकनीकों से आप इसे तुरंत दूर कर सकते हैं?

इस लेख में हम आपको पांच ऐसी तकनीकों के बारे में बताएंगे, जिन्हें आप सिर्फ 5 मिनट में आजमा सकते हैं और अपने दिन को बेहतर बना सकते हैं।

गहरी सांस लेना

गहरी सांस लेना एक आसान और असरदार तरीका है, जिससे आप तुरंत तनाव कम कर सकते हैं।

जब भी आपको लगे कि आप तनाव में हैं तो थोड़ी देर के लिए आराम से बैठ जाएं और गहरी सांस लें। धीरे-धीरे सांस अंदर लें, फिर धीरे-धीरे बाहर छोड़ें।

यह प्रक्रिया आपके मन को शांति देती है और आपके शरीर को आराम पहुंचाती है। इसे 5 मिनट तक दोहराने से आप तुरंत राहत महसूस कर सकते हैं।

पानी पीना

पानी पीना हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है और यह तनाव को कम करने में भी मदद करता है।

जब हम पानी पीते हैं तो हमारा शरीर तरोताजा रहता है, जिससे दिमाग को सही तरीके से काम करने में मदद मिलती है।

इसके अलावा पानी पीने से शरीर के हानिकारक तत्व बाहर निकल जाते हैं, जिससे हमें ताजगी महसूस होती है। इसलिए जब भी आपको लगे कि आप तनाव में हैं, एक गिलास पानी जरूर पिएं।

धीमी चाल से चलना

धीमी चाल से चलना एक अच्छा व्यायाम है, जो आपके मन और शरीर दोनों को आराम देता है।

जब आप धीमी चाल से चलते हैं तो आपका रक्त संचार बेहतर होता है और आपके मस्तिष्क को ऑक्सीजन मिलती है, जिससे आपका मूड अच्छा होता है।

इसके अलावा यह तरीका आपको अपने विचारों को स्पष्ट रूप से समझने में मदद करता है और आपको तनाव से छुटकारा दिलाता है।

इसे रोजाना केवल 5 मिनट करने से आप ताजगी महसूस करेंगे।

संगीत सुनना

संगीत सुनना एक पुरानी लेकिन असरदार तरीका है, जिससे आपका मन खुश रहता है और तनाव कम होता है।

जब भी आपको लगे कि आप तनाव में हैं तो अपने पसंदीदा गाने सुनें या कोई शांत संगीत सुनें, जो आपके मन को सुकून दे। इससे आपका मन तरोताजा होता है और आप नई ऊर्जा महसूस करते हैं।

यह प्रक्रिया आपके दिमाग को शांत करती है और आपको बेहतर महसूस कराती है।

मुस्कुराना

मुस्कुराना सबसे आसान तरीका है, जिससे आप तुरंत राहत पा सकते हैं। जब भी आपको लगे कि आप तनाव में हैं तो चेहरे पर हल्की सी मुस्कान लाएं। इससे आपका मूड अच्छा होगा और आप सकारात्मक महसूस करेंगे। यह तरीका आपके दिमाग को शांत करता है और आपको नई ऊर्जा देता है। इन सभी तकनीकों को अपनाकर आप अपने जीवन में आसानी से शामिल कर सकते हैं और तनाव मुक्त रह सकते हैं।

टोपी से लेकर चश्मे तक, आपको धूप से बचाकर रखेंगी ये फैशनेबल एक्सेसरीज

इन दिनों गर्मी का मौसम अपने चरम पर है, जिस दौरान लोगों को धूप का प्रकोप भी झेलना पड़ता है।

ज्यादा देर तक धूप में रहने से त्वचा टैन हो जाती है, डिहाइड्रेशन होता है और तबियत बिगड़ने का डर रहता है।

ऐसे में केवल लंबी आस्तीन वाले कपड़े पहनना, हल्के फैब्रिक चुनना और सनस्क्रीन लगाना ही काफी नहीं होता। आपको धूप से सुरक्षित रहने के लिए ये एक्सेसरीज भी पहननी चाहिए।

ये सभी एक फैशनेबल लुक भी देती हैं।

धूप का चश्मा

धूप से बचने के लिए आपको घर से निकलते समय धूप का चश्मा लगाना चाहिए। लंबे समय तक धूप के संपर्क में रहने से आंखों को कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं।

ऐसे में धूप के चश्मे आंखों को हानिकारक अल्ट्रा वॉयलेंट किरणों से बचा सकते हैं। यह एक्सेसरी न केवल आखों में धूप लगने से रोकती है, बल्कि एक स्टाइलिश लुक भी प्रदान करती है।

धूप का चश्मा खरीदने से पहले इन बातों का ध्यान रखें।

टोपियां

सिर पर धूप लगने से चक्कर आने लगता है, बेहोशी का खतरा रहता है और लू लग सकती है। ऐसे में आपको अपनी सुरक्षा करने के लिए हैट या टोपी लगाकर ही बाहर जाना चाहिए।

इस एक्सेसरी की मदद से सिर ढका हुआ रहता है और चेहरे पर भी धूप नहीं लगती है। आप अपने आउटफिट को ध्यान में रखते हुए टोपी का चुनाव कर सकते हैं।

आपको धूप से बचने के लिए ये 4 तरह की टोपियां लगानी चाहिए।

स्कार्फ

भारत के लोग धूप में निकलने से पहले स्कार्फ या गमछा ओढ़ना पसंद करते हैं। यह कॉटन के कपड़े से बनने वाली एक्सेसरी होती है, जो सिर पर धूप नहीं लगने देती।

पुरुष बाहर जाने से पहले अपने सिर पर गमछा या स्कार्फ लपेट सकते हैं। वहीं, महिलाएं दुपट्टे या स्कार्फ को पूरे चेहरे पर बांध सकती हैं।

ऐसा करने से सिर से लेकर गर्दन तक, सभी अंग ढके हुए रहेंगे और आपको धूप नहीं लगेगी।

दस्ताने या आस्तीन

वैसे तो गर्मी के दौरान सभी को लंबी आस्तीन वाले कपड़े पहनने चाहिए। हालांकि, कई लोग पसीने से बचने के लिए स्लीवलेस या आधी बाजू वाले कपड़े पहनना पसंद करते हैं।

ऐसे लोगों को बाहर जाते समय कॉटन के लंबे दस्ताने पहन लेने चाहिए। अगर आप दस्ताने पहनना नहीं चाहते तो बाजार में लंबी आस्तीन भी बिकती हैं।

इन दोनों एक्सेसरीज की मदद से आपके

विकसित कृषि संकल्प अभियान 29 मई से खरीफ फसलों एवं नवाचारों की जानकारी देने गांव-गांव जायेंगी टीमें

श्योपुर, विजयपुर, कराहल के लिए टीमें गठित

श्योपुर, ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अधिकारी श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में केन्द्रीय एवं मध्यप्रदेश सरकार की प्रमुख कृषि योजनाओं, कृषि वैज्ञानिको द्वारा खोजी गई नवीन तकनीकियों, उन्नत फसलों से किसानों को जानकारी प्रदान करने के लिए 29 मई से 12 जून तक विकसित कृषि संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत खरीफ मौसम में उत्पादित होने वाली विभिन्न फसलो की नवीन एवं उन्नत किस्मों, तकनीकियों से किसानों को अवगत कराया जायेंगा। इसके लिए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा विकासखण्डवार टीमों का गठन किया गया है, यह टीमें गांव-गांव जाकर किसानों को जानकारी प्रदान करेंगी।

इन टीमों में उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, कृषि अभियांत्रिकी, कृषि विज्ञान केन्द्र बडौदा आदि विभागों सहित प्रगतिशील किसानों तथा किसानों के लिए काम कर रहे फार्मर प्रोड्यूसर आर्गेनाईजेशन (एफपीओ) को शामिल किया जायें। यह टीमें किसानों के लिए उपयोगी विभिन्न शासकीय योजनाओं तथा नीतियों के बारे में किसानों को जागरूक करने का कार्य करेंगी तथा अभियान के तहत किसानो को मृदा स्वास्थ्य कार्ड में मिट्टी की उपयोगिता के आधार पर सुझाई गई फसलो के चयन तथा संतुलित खाद के उपयोग के लिए प्रशिक्षित करते हुए प्राकृतिक खेती और फसल विविधिकरण को बढावा देंगी।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा उक्त अभियान के संचालन के लिए सहायक संचालक कृषि श्री पान सिंह करोरिया को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

श्योपुर विकासखण्ड के लिए गठित टीम में कृषि वैज्ञानिक डॉ यूसी शर्मा, डॉ सीबीएस जाटव, डॉ लाखन सिंह गुर्जर, पशु पालन विभाग से डॉ योगेश, डॉ सचिन, डॉ महेश, डॉ केके शर्मा, प्रभारी एसएडीओ श्री शरद रघुवंशी, ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी श्री रामरेश मीणा, मत्स्य निरीक्षक श्रीमती वंदना गोयल, एफपीओ प्रतिनिधि श्री सोनू शर्मा, प्रगतिशील कृषक श्री भरत जाट को शामिल किया गया है।

विकासखण्ड कराहल की टीम में कृषि वैज्ञानिक डॉ यूसी शर्मा, डॉ सीबीएस जाटव, डॉ लाखन सिंह गुर्जर, पशु पालन विभाग से डॉ मंयक सोनी, डॉ वैशाली, डॉ शिवकुमार जालौन, डॉ नरेन्द्र कुमार मधुरिया, प्रभारी एसएडीओ श्री एमके दनेरिया, ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी श्री कमलेश माली, मत्स्य निरीक्षक श्री कमल प्रताप, एफपीओ प्रतिनिधि श्री अमित सिंह को शामिल किया गया है।

विकासखण्ड विजयपुर की टीम में कृषि वैज्ञानिक डॉ यूसी शर्मा, डॉ सीबीएस जाटव, डॉ लाखन सिंह गुर्जर, पशु पालन विभाग से डॉ जीएस गहलोद, डॉ जीएस नरोरिया, डॉ जितेन्द्र कुमार, एसएडीओ श्री विष्णु राठौर, ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी श्री वीपी शर्मा एवं श्री रामअवतार गुप्ता, मत्स्य निरीक्षक श्री डीके चदेरिया, प्रगतिशील कृषक श्री मनोज शर्मा, श्री सरवन जाटव, श्री रघुनाथ कुशवाह को शामिल किया गया है।

अभियान के शुभारंभ 29 मई को, इन ग्रामों में पहुंचेगी टीमें

विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ आज 29 मई को प्रातः 9 बजे कलेक्ट्रेट परिसर से होगा। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा जारी आदेश के अनुसार विकसित कृषि संकल्प अभियान के शुभारंभ पर 29 मई को विकासखण्ड स्तरीय टीमों द्वारा अपने-अपने विकासखण्ड क्षेत्र के तीन-तीन ग्रामों में भ्रमण कर किसानों को खेती-किसानी के संबंध में जानकारी प्रदान की जायेगी। श्योपुर विकासखण्ड की टीम द्वारा ग्राम रायपुरा, बर्धाबुजुर्ग एवं शंकरपुर में भ्रमण कर जानकारी प्रदान की जायेगी। विकासखण्ड कराहल की टीम 29 मई को सलापुरा, कलारना एवं ढेगदा का भ्रमण करेंगी। इसी प्रकार विजयपुर विकासखण्ड की टीम मैदावली, छापर एवं आरोदा में किसानों को खेती की नवीन तकनीकी तथा उन्नत फसलों के संबंध में अवगत करायेगी।

29 मई से 12 जून तक आयोजित विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत विकासखण्ड वार भ्रमण कार्यक्रम निर्धारित किया गया है, विकासखण्ड स्तर पर गठित टीमों द्वारा प्रत्येक दिन ग्रामों का भ्रमण किया जायेगा।

नवांकुर संस्था ने लगाये पक्षियों के लिए सकोरे

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा गर्मीयों के मौसम में पक्षियों को पानी की व्यवस्था उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सकोरा अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला समन्वयक श्रीमती नेहा सिंह एवं विकासखंड समन्वयक श्रीमती नीतू सिंह के निर्देशन में नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति निमोदमठ द्वारा कराहल विकासखंड के आवदा सेक्टर के ग्रामों में नौतपा की भीषण गर्मी में पक्षियों के जीवन संरक्षण के लिए पानी के सकोरे स्थान -स्थान पर लगाए जा रहे हैं। नवांकुर संस्था निमोदा मठ व श्री सतगुरु शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति द्वारा ग्राम पंचायत गोरस पक्षियों के लिए वृक्षो पर सकोरे लगाये गये तथा इन्हें नियमित रूप से पानी से भरने की जिम्मेदारी संस्था से जुडे सदस्यों को दिया गया। इस अवसर पर नवांकुर संस्था प्रमुख श्री कल्याण सिंह मारू आदि उपस्थित थे।

सफलता की कहानी

साधारण गृहणी से बैंक मित्र, प्रगतिशील कृषक और उद्यमी तक का सफर, समूहो से जुडकर आत्मनिर्भर बन रही जनजातीय महिलाएं

श्योपुर ब्यूरो। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत संचालित स्वसहायता समूहों से जुडकर महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रही है, बल्कि सामाजिक रूप से भी आत्मनिर्भर होकर अन्य महिलाओं को आगे बढने का हौसला दे रही है। आदिवासी विकासखण्ड कराहल में जनजातीय महिलाओं के जीवन में इन समूहों से जुडने के बाद आर्थिक बदलाव आया है और अब यह महिलाएं परिवार की मुख्य धुरी बन गई है। अपने व्यवसाय को संभालने के साथ ही परिवार की जिम्मेदारियां भी बखूबी निभा रही है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयास फलीभूत होते नजर आ रहे है। आज हम बात कर रहे है आदिवासी विकासखण्ड कराहल के ग्राम करियादेह की जनजातीय पटेलिया समुदाय की महिला श्रीमती भूरी पटेलिया की, जिन्होंने अपने जूनून और शासन की मदद से अपने आप को परिवार और समाज के बीच न केवल स्थापित किया है, बल्कि दूसरो के लिए मिसाल बन गई है। जनजातीय परिवार की भूरी पटेलिया एक साधारण गृहणी थी और गांव में रहते हुए अपनी आंकाक्षाओं एवं सपनो को दबाकर जीवन व्यतीत कर रही थी। स्नातक तक पढी भूरी पटेलिया के मन में यह टीस थी कि वह अपनी पढाई का सदउपयोग करते हुए परिवार और गांव के लिए कुछ करें, लेकिन वंनाचल में बसे गांव में सपने साकार करने जैसी कोई उम्मीद दिखाई नही पड रही थी। मध्यप्रदेश की जनकल्याणकारी सरकार की योजना के तहत श्रीमती भूरी पटेलिया मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत संचालित समूहों के सदस्यों के संपर्क में आई और वर्ष 2020 में वैष्णो देवी स्वसहायता समूह से जुडकर अपने पति श्री मोहन सिंह पटेलिया के सहयोग से मछली पालन का व्यवसाय की शुरूआत की। शासन की आर्थिक सहायता से मछली पालन के साथ ही अपने खेतो में परम्परागत खेती के स्थान पर उन्नत तकनीक को अपनाते हुए उद्यानिकी को अपनाया और अमरूद तथा आम के बगीचे लगाये। इन कार्यो से परिवार को आजीविका में सुधार हुआ और अब एक बेहतर जीवन व्यतीत कर रही है। समूह से जुडने के बाद उन्होंने एमएसडब्ल्यू की डिग्री भी हासिल की और बैंक सखी के रूप में ग्राम करियादेह में ही एमपीजीबी बैंक का कियोस्क संचालन कर रही है, जिससे ग्रामीण महिलाओं को विभिन्न योजनाओं में मिलने वाली लाभ की राशि गांव में ही कियोस्क के माध्यम से प्राप्त हो रही है। एक बैंक मित्र, प्रगतिशील किसान और व्यवसायी के रूप में स्थापित भूरी पटेलिया वर्तमान में किसी परिचय की मोहताज नही है, उनकी प्रेरणा से कई महिलाओं ने स्वयं का व्यवसाय स्थापित किया है और खेती किसानी में अपने परिवार की मदद कर रही है।

सबलगढ़ शहर की बिजली आज 6 घण्टे बन्द रहेगी

(चम्बलसुरखीं संवाददाता)

सबलगढ़। सबलगढ़ शहर प्रथम व द्वितीय फीडर की बिजली सप्लाई आज गुरुवार को सुबह 11 बजे से सायंकाल 5 बजे तक बन्द रहेगी।उक्त जानकारी देते हुए बिजली कम्पनी की शहर प्रबंधक सुश्री पूजा जैन ने बताया है कि 11 केवी पर सिटी फीडर प्रथम व द्वितीय का विभक्तिकरण का आवश्यक कार्य होने के कारण सबलगढ़ शहर की बिजली सप्लाई 6 घण्टे तक बन्द रहेगी।आवश्यकता के अनुसार समय घटाया बढ़ाया जा सकता है।

एसडीएम ने जनसुनवाई में 30 आवेदकों की समस्या सुनी

(चम्बलसुरखीं संवाददाता)

सबलगढ़। प्रति सप्ताह की तरह कल मंगलवार को भी एसडीएम कार्यालय में एकीकृत जनसुनवाई का आयोजन सभा भवन में किया गया जिसमें नायब तहसीलदार श्रीमती रजनी बघेल सहित लगभग सभी विभागों के प्रतिनिधि मौजूद थे।जनसुनवाई में क्षेत्र के करीब 30 पीड़ित व्यक्ति अपनी समस्याओं को लेकर आए और एसडीएम से उनके निराकरण की गुहार लगाई।एसडीएम श्री अरविंद माहौर ने सभी आवेदनों पर ध्यान से गौर किया व उनके शीघ्र निराकरण किये जाने के निर्देश सम्बंधित विभाग प्रमुखों को दिए।

विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर 1 जून को

थैलीसीमिया पीड़ितों की मदद के लिए नई पहल शुरू

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं रेडक्रॉस सोसाइटी श्योपुर के अध्यक्ष श्री अर्पित वर्मा के निर्देशन में रक्तदान जागरूकता अभियान को और अधिक गति के साथ आगे बढ़ाने एवं थेलिमिसिया रोगियों की मदद के लिए नई पहल शुरू करते हुए, मानवता की सेवा तथा सैनिको के सम्मान में अग्रणी स्वयं सेवी संस्थाओं भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी एवं भारत विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर 1 जून 25 रविवार को प्रातः 9.30 बजे से पशु चिकित्सालय रोड स्थित विजय विलास रिसोर्ट में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर जिले के सैनिकों एवं भूतपूर्व सैनिको का सम्मान भी किया जायेगा।

रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव एवं भारत विकास परिषद के अध्यक्ष डॉ आरबी गोयल ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि थैलीसीमिया रोगियों की जीवन रक्षा एवं जिला चिकित्सालय में आपात स्थितियों में रक्त की पूर्ति के लिए कोई भी ऐसा व्यक्ति रक्तदान कर सकता है जिसकी उम्र 18 से 65 वर्ष के बीच है, जिसका रक्तचाप सामान्य है और वजन 45 किलोग्राम से अधिक है, जो हृदय रोग एवं लीवर रोग से ग्रसित नही है तथा मधुमेह के लिए इन्सुलिन नही लेते है, उन्होंने रक्तदान के संबंध में फैली अनावश्यक भ्रांतियों का निवारण करते हुए बताया कि, रक्तदान में मात्र 10 मिनट का समय लगता है, आपके शरीर में मौजूद 5 से 7 लीटर रक्त में से मात्र 300 एमएल रक्त निकलने से किसी प्रकार की कोई कमजोरी नही आती है।

उन्होने बताया कि जिला अस्पताल में संचालित ब्लड बैंक से रक्त की आपूर्ति का आंकड़ा 5000 यूनिट सालाना पर पहुंच गया है, उन्होंने रक्त की मांग के अनुपात में रक्त की सतत उपलब्धता के लिए रक्तदान शिविरों के आयोजन की गति को और अधिक बढ़ाने की आवश्यकता बताई है।

रक्तदान शिविर की आयोजक संस्थाओं के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने, रक्तदान जागरूकता अभियान के सभी सक्रिय संस्थाओं और ब्लड बैंक में रक्त की आपात आवश्यकताओं की पूर्ति के कार्य मे संलग्न युवा समाजसेवियों से रक्तदान शिविर की सफलता के लिए अधिक से अधिक सहयोग का अनुरोध किया है।

पंचायतो में उप निर्वाचन के दृष्टिगत मतदाता सूची का पुनरीक्षण जारी, सरपंच के 5 एवं पंच के 143 पदो पर निर्वाचन की तैयारियां

श्योपुर ब्यूरो। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पंचायतों में उप निर्वाचन को दृष्टिगत रखते हुए फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य जारी है। इसके तहत उन पंचायतो में मतदाता सूची का पुनरीक्षण किया जा रहा है, जहां पंच के रिक्त पदो पर उप निर्वाचन होना है। रिक्त सरपंच पदो वाली 5 पंचायतों में पूर्व में पुनरीक्षण की प्रक्रिया संपन्न हो चुकी है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में श्योपुर जिले में रिक्त पंच पदो वाले वार्डो में मतदाता सूची को संशोधित करने का कार्य जारी है। आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार फोटोयुक्त मतदाता सूची के प्रारूप का ग्राम पंचायतों पर 5 जून को सार्वजनिक रूप से प्रकाशन किया जायेगा, 5 जून से ही दावे-आपत्तियां प्राप्त की जायेगी तथा मतदाता सूची में नाम जोडने, हटाने, संशोधन आदि के संबंध में दावे-आपत्तियां 11 जून को अपरान्ह 3 बजे तक प्राप्त की जायेगी। प्राप्त दावे-आपत्तियों का निराकरण 17 जून तक किया जायेगा। इसके उपरांत अन्य तैयारियां करते हुए फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची का ग्राम पंचायतों में प्रकाशन 25 जून को होगा। उल्लेखनीय है कि श्योपुर जिले में सरपंच के 5 तथा पंचो के 143 रिक्त पदो पर उप निर्वाचन होना है, जिसके लिए राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पृथक से अधिसूचना जारी की जायेगी। वर्तमान में पंच पदों के लिए निर्वाचन हेतु मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य संचालित है। स्थानीय निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार कराहल विकासखण्ड की ग्राम पंचायत पिपरानी, जाखदा, सिलपुरी एवं मोरावन तथा विकासखण्ड श्योपुर की ग्राम पंचायत दलारना कला में सरपंच के पद रिक्त है। इसी प्रकार श्योपुर विकासखण्ड की 15 पंचायतों में पंच के 36, कराहल विकासखण्ड की 18 पंचायतो में पंच के 80 तथा विजयपुर विकासखण्ड की 11 पंचायतो में पंच के 27 पद रिक्त है।

रजिस्ट्रीकरण एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अर्पित वर्मा द्वारा त्रिस्तरीय पंचायतो के अंतर्गत रिक्त पंच पदो पर उप निर्वाचन के लिए फोटोयुक्त मतदाता सूची तैयार किये जाने के संबंध में रजिस्ट्रीकरण एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किये गये है। जनपद पंचायत श्योपुर, विजयपुर एवं कराहल क्षेत्र के लिए संबंधित क्षेत्र के एसडीएम रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं तहसीलदार सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी रहेंगे। अपीलीय अधिकारी के रूप में संपूर्ण क्षेत्र के लिए अपर कलेक्टर श्योपुर को नियुक्त किया गया है।

खेल और युवा कल्याण विभाग के द्वारा विकासखण्ड अटेर में ग्रीष्मकालीन खेल

प्रशिक्षण शिविर 2025 का हुआ आयोजन, समर कैंप में पहुंचे सीएम राइज शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अटेर, स्कूल के प्राचार्य, बढ़ाया बच्चों का हौंसला

भिण्ड ब्यूरो। संचालनालय खेल और युवा कल्याण म.प्र. भोपाल के निर्देशानुसार विकासखंड अटेर में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 2025 का आयोजन सीएम राइज शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के किला मैदान में ब्लॉक समन्वयक अटेर नीरज सिंह बघेल के द्वारा आयोजित किया जा रहा है। समर कैंप का आयोजन खेल और युवा कल्याण विभाग के द्वारा 20 जून 2025 तक आयोजन किया जा रहा है, जिसमें जिलाधीश भिण्ड श्री संजीव श्रीवास्तव एवं पुलिस अधीक्षक भिण्ड डॉ असित यादव के निर्देशानुसार एवं जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी श्री जोसेफ बाक्सला एवं कार्यालय प्रभारी श्री रामबाबू कुशवाह के मार्गदर्शन में एवं ब्लॉक समन्वयक नीरज सिंह बघेल की देखरेख में आयोजित किया जा रहा है। 28 मई 2025 को सीएम राइज शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अटेर स्कूल के प्राचार्य श्री कोस्तुक रंजन समर कैंप में प्रशिक्षण ले रहे खिलाड़ियों के बीच पहुंचे और उनसे परिचय प्राप्त किया, उन्होंने खिलाड़ियों से कहा पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी हमारे जीवन का हिस्सा है, खेलों से हमारे व्यक्तित्व में निखार आता है एवं खेल से हमारे शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास भी तेजी से होता है। इसके साथ ही उन्होंने अपनी ओर से खिलाड़ियों को स्वल्पाहार भी वितरित किया, साथ ही उन्होंने कहा जब तक ये समर कैंप का आयोजन चलेगा स्वल्पाहार उनके द्वारा खिलाड़ियों को दिया जाएगा, समर कैंप में खोदूखो खेल का प्रशिक्षण सीनियर खिलाड़ी रणजीत गुर्जर, एवं बॉलीबॉल का प्रशिक्षण सीनियर खिलाड़ी रिषभ यादव के द्वारा दिया जा रहा है। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 2025 का आयोजन 21 मई से शुरू हुआ है जो 20 जून चलेगा, जिसका समय प्रातः 06.30 बजे से 08.30 तक है, इसमें 08 से 18 वर्ष तक आयु वर्ग के बालकध्बालिका खेल का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

कलेक्टर ने प्रत्येक लोक सेवा केंद्र में पीआरओ हेल्प डेस्क गठन के दिए निर्देश

आवेदकों को कहीं और से फॉर्म भरवाने के पैसे नहीं देने होंगे, लोक सेवा केंद्र के ऑपरेटर फॉर्म भरवाने एवं जानकारी देने में मदद करेंगे

भिण्ड ब्यूरो। कलेक्टर भिण्ड श्री संजीव श्रीवास्तव ने आदेश जारी कर कहा है कि लोक सेवा प्रबंधन विभाग की सीएम हेल्पलाइन, अन्य शिकायती आवेदन एवं शिकायतों की समीक्षा के दौरान संज्ञान में आया है की लोक सेवा केन्द्रों पर केंद्र के बाहर अथवा प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय परिसर में असामाजिक तत्वोंध्अनाधिकृत व्यक्तियों द्वारा आवेदकों से आवेदन के फॉर्म भरने आवश्यक दस्तावेज आदि पूर्ण करने के लिये शुल्क लिया जाता है जो शासन की मंशा के विपरीत है एवं लोक सेवा केन्द्रों की स्थापना के मूल्य उद्देश्य के विरुद्ध है। शासन द्वारा लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम के तहत लोक सेवा केंद्र में दर्ज होने वाले आवेदनों के शुल्क की राशि 20 रूपए निर्धारित की गयी है।

कलेक्टर भिण्ड श्री संजीव श्रीवास्तव ने आमजन की सुविधा हेतु जिले में संचालित लोक सेवा केन्द्रों को आरएफपी में निहित प्रावधान अनुसार निर्देशित किया है कि प्रत्येक लोक सेवा केंद्र में जनसंपर्क डेस्क की स्थापना की जाए, पूछताछ काउंटर पर जनसंपर्क के लिए एक व्यक्ति को तैनात किया जाएगा। लोक सेवा केंद्र जनसंपर्क डेस्क के माध्यम से आवेदक को आवेदन दर्ज करने हेतु सहायता करेंगे। आवेदक को उसकी पात्रता सेवा प्राप्त करने के लिए आवेदन करने की विधि तथा संलग्न किए जाने वाले दस्तावेजों (यदि कोई हो) के संबंध मे सूचित करना तथा सलाह देना। आवेदक से आवश्यक दस्तावेजों सहित विवरण प्राप्त किया जाएगा उसका आवेदन सोसायटी द्वारा उपलब्ध कराए गए वेब-आधारित सॉफ्टवेयर का उपयोग करके ऑनलाइन पूरा किया जाएगा।

आवेदक से आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले आवश्यक स्व-सत्यापित दस्तावेज लें। दस्तावेजों को स्कैन करें उन पर डिजिटल हस्ताक्षर करें और उन्हें आवेदन के साथ अपलोड करें। निर्धारित वैधानिक शुल्क प्राप्त करें जिसे आवेदन जमा करते समय भुगतान करना होगा यह शुल्क ऑफलाइनध्ऑनलाइन मोड के रूप में भुगतान किया जा सकता है। आवेदक से आवेदन शुल्क एकत्र करें। पूरा आवेदन पत्र ऑनलाइन नामित अधिकारी को प्रस्तुत करें। आवेदन पत्र का प्रिंटआउट लें और उस पर आवेदक के हस्ताक्षर लें। आवेदक को आवेदन की कम्प्यूटर द्वारा तैयार पावती निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। आवेदकों की सुविधा के लिए विभिन्न मूल्यवर्ग के गैर न्यायिक स्टाम्प और खाली चालान फार्म रखें।

लोक सेवा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरा, स्टाफ की बायोमेट्रिक अटेंडेंस तथा

भीड़ नियंत्रण हेतु टोकन सिस्टम लागू, ए श्रेणी में 3 काउंटर तथा बी श्रेणी में 2 काउंटर अनिवार्य

भिण्ड ब्यूरो। कलेक्टर भिण्ड श्री संजीव श्रीवास्तव द्वारा दिनांक 26 मई 2025 की साप्ताहिक टीएल समीक्षा बैठक में लोक सेवा प्रबंधन विभाग की सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा के दौरान तथ्य परिलक्षित हुए जिसमें शिकायत कर्ता श्री सूरज सिंह राजावत द्वारा सीएम हेल्पलाइन दिनांक 04 मई 2025 द्वारा अवगत करवाया गया की ष्लोक सेवा केंद्र भिण्ड ग्रामीण में ऑपरेटर द्वारा कोई भी आवेदन देने के बाद 2-3 दिन बाद उसकी पावती देते हैं और पूछने पर बोलते हैं की हमारे पास आवेदन अधिक होते हैं इसीलिए उस दिन पावती देने में असमर्थ हैं इसीलिए 2 दिन बाद पावती मिलेगी जिससे आवेदक को असुविधा होती है और केंद्र इंचार्ज भी उपस्थित नहीं होते हैं। इससे स्पष्ट प्रतीत होता है की लोक सेवा केंद्र का संचालन आरएफपी अनुसार नहीं किया जा रहा है। कलेक्टर भिण्ड श्री संजीव श्रीवास्तव द्वारा आदेशित किया गया है कि आरएफपी के निहित प्रावधान अनुसार जिला अन्तर्गत संचालित समस्त लोक सेवा केन्द्रों को निर्देशित किया जाता है की केंद्र में आवेदकों की सुविधा हेतु व्यवस्थित कार्य के संचालन हेतु टोकन बेस्ड सिस्टम लागू करेंगे, टोकन नंबर डिस्प्ले बोर्ड पर प्रदर्शित होना चाहिए। दिनांक 07 मई 2025 को जिला प्रबंधक लोक सेवा कार्यालय में समक्ष में उपस्थित होकर श्री अरविन्द कुशवाहा निवासी खरिका तहसील अटेर द्वारा लोक सेवा केंद्र अटेर द्वारा पिछले 4 दिनों से सीमांकन का आवेदन ऑनलाइन दर्ज ना करने की शिकायत प्राप्त हुई एवं सिर्फ तीन ऑपरेटर द्वारा ही लोक सेवा केंद्र चलाया जा रहा है ऐसा आवेदन दिया गया। इससे स्पष्ट प्रतीत होता है की लोक सेवा केंद्र का संचालन आरएफपी अनुसार नहीं किया जा रहा है, अतः आदेशित किया जाता है कि आरएफपी के निहित प्रावधान अनुसार जिला अन्तर्गत संचालित समस्त लोक सेवा केन्द्रों को निर्देशित किया जाता है की केंद्र में समस्त स्टाफ की बायोमेट्रिक अटेंडेंस व्यवस्था लागू की जाए, एवं रिकॉर्ड संधारित किया जाए। आरएफपी के निहित प्रावधान अनुसार ए श्रेणी में 3 काउंटर तथा बी श्रेणी में 2 काउंटर एवं स्टाफ सुनिश्चित करेंगे। आरएफपी के निहित प्रावधान अनुसार सीसीटीवी इंस्टॉल करना सुनिश्चित करेंगे। सीएम हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से दिनांक 25 अप्रैल 2025 (ग्रेडिंग माह अप्रैल), को शिकायत कर्ता श्री रमन पचोरी द्वारा अवगत शिकायत दर्ज की गयी, ष् मेरे द्वारा ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र बनवाने के लिए लोक सेवा केंद्र मिहोना में आवेदन दिया गया है परन्तु 750 रूपए की मांग की जा रही है और कोई रशीद नहीं दी जा रही है जिससे आवेदक को समस्या हो रही है। दिनांक 17 मई 2025 (शनिवार) को दूरभाष पर सुबह 11रू41 पर प्राप्त शिकायत में अवगत करवाया गया की आवेदक द्वारा जाती प्रमाण पत्र जमा करने लोक सेवा केंद्र भिण्ड शहरी पर उपस्थित हुए एवं केंद्र बंद होने के सम्बन्ध में शिकायत की गयी थीष्

इससे स्पष्ट प्रतीत होता है की लोक सेवा केंद्र का संचालन आरएफपी अनुसार नहीं किया जा रहा है, अतः आदेशित किया जाता है की जिला अन्तर्गत संचालित समस्त लोक सेवा केन्द्रों को निर्देशित किया जाता है की सप्ताह में 6 दिवस सोमवार से शनिवार सुबह 10 बजे से शाम 06 बजे तक केंद्र का संचालन करेंगे।

बीरपुर में 21 कुंडीय श्री राम महायज्ञ कलशयात्रा के साथ शुरू

(चम्बलसुरखीं संवाददाता)

बीरपुर। वीरपुर में खदान वाले हनुमान मंदिर पर 21 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ का शुभारंभ बुधवार को कलशयात्रा के साथ हुआ। श्री शत्रुघ्न दास जी महाराज साकेत धाम की प्रेरणा से उनके कृपा पात्र शिष्य महामंडलेश्वर रामदास महाराज के सानिध्य में विश्व कल्याणार्थ महायज्ञ अखंड रामचरित मानस पाठ श्री राम कथा एवं श्री राम महायज्ञ का आयोजन भक्तों द्वारा किया जा रहा है। बुधवार को वीरपुर एमएस रोड मनसा पूर्ण हनुमान मंदिर से कलश यात्रा बैंड बाजा के साथ प्रारंभ की जिसमें सैकड़ो की संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।यज्ञ की पूर्णाहुति व भंडारा 5 जून को होगा।

जौरा में चला विद्युत चेकिंग अभियान

जोरा। लगातार विद्युत लोड के चलते बार-बार हो रही ट्रिपिंग फेस जाना विद्युत आपूर्ति का बाधित होने से जहां आमजन नागरिक विद्युत उपभोक्ता तो परेशान हुई रहे हैं वहीं नवीन ट्रांसफार्मर रखने के बाद अचानक लोड बढ़ने से परेशान विद्युत अधिकारी आखिरकार आकस्मिक चेकिंग पर निकल ही पड़े चेकिंग के दौरान सहायक की यंत्री पी एस यादव एवं कनिष्ठ यात्री मुकेश मिश्रा ने दर्जन बरसे अधिक स्थानों पर विद्युत की चोरी भी पड़ी 28 म ई यादव एवं मिश्रा अचानक विद्युत की चेकिंग करने निकल पड़े अधिकारी जब गायत्री मंदिर डाकखाना रोड पहुंचे तो दोनों स्थानों पर उन्होंने 15 विद्युत उपभोक्ताओं के यहां चोरी पकड़ी सभी के विरुद्ध चोरी के प्रकरण भी बनाए गए वही विद्युत बिलों की राशि जमा नहीं करने को लेकर चल रहे वसूली अभियान के अंतर्गत वसूली टीम के मनोज कुमार जाटव एहसान खान भारत मीणा ऋषिकेश कुशवाहा अमरकांत शर्मा घनश्याम सिकरवार एहसान खान ब्रजमोहन धाकड़ अलीमुद्दीन खान हरिओम कुशवाहा सहित अन्य कर्मचारियों ने डाकखाना रोड सदर बाजार एमएस रोड 5 बीघा इस्लामपुर रोड बनियापाड़ा सहित अन्य गली मोहल्ले में 33 कनेक्शन काटने की कार्रवाई की गई शाम तक वसूली टीम को 294000 भी उपभोक्ता में जमा करवाएं विद्युत अधिकारियों का कहना है कि नगर में कई स्थानों पर नवीन ट्रांसफार्मर रखवा गए हैं कुछ स्थानों पर ट्रांसफार्मर रखवाने की प्रक्रिया जारी है फिर भी कुछ स्थानों पर ओवरलोड की समस्या बनी हुई है जो चोरी के चलते हो रही है चेकिंग अभियान प्रतिदिन जारी रहेगा जहां भी चोरी पकड़ी जाएगी उनके विरुद्ध चोरी के प्रकरण बनाए जाएंगे

पूरा देश मना रहा है देवी अहिल्याबाई का 300वां जन्म जयंती वर्ष - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में सीएम की पाठशाला में छात्राओं से किया संवाद

मुख्यमंत्री ने सुनाई महारानी दुर्गावती और देवी अहिल्याबाई की कहानी

मुख्यमंत्री ने कहा - दोनों का जीवन संघर्षों से भरा रहा, फिर भी इन्होंने हार नहीं मानी

भोपाल ब्यूरो। ब्यूरो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं है। राष्ट्र का हित सर्वोपरि है। भारत देश में महिलाएं तब भी सशक्त थीं, जब उन्हें कम अधिकार थे और आज भी उतनी ही सशक्त हैं, जब उन्हें सर्वाधिकार प्राप्त हैं। महारानी दुर्गावती और देवी अहिल्याबाई ने अपने साहस, शौर्य, पराक्रम और कौशल से न केवल शासन किया अपितु प्रशासन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में एक आदर्श प्रस्तुत किया। दोनों का जीवन आसान नहीं था, इनके जीवन में नाना प्रकार के संघर्ष थे, अवरोध थे, कठिनाईयां थीं, दुश्वारियां थीं, फिर भी इन्होंने हार नहीं मानी और अंततः सारी कठिनाईयों से लड़कर और जूझकर उन्होंने अपना मुकाम हासिल किया। यही वजह है कि आज हम इन्हें उनके पराक्रम के लिए जानते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को भोपाल के महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में छात्राओं से आत्मीय संवाद कर रहे थे।

सीएम की पाठशाला

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉलेज के फैशन टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट की छात्राओं से उनके क्लासरूम में %सीएम की पाठशाला% लगाई और सभी बेटियों से गुरूतुल्य व पितातुल्य संवाद किया। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को मध्यप्रदेश की महारानी दुर्गावती और लोकमाता देवी अहिल्याबाई के सम्पूर्ण जीवन वृतांत पर रोचकतापूर्वक प्रकाश डालकर छात्राओं का ज्ञान संवर्धन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्राओं के आल्हाद में सहभागी बनकर उनके साथ सेल्फी भी ली।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महारानी दुर्गावती ने अकबर की सेना के साथ लड़ाई की और अंततः खुद को न्यौछावर कर दिया। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को बताया कि महारानी दुर्गावती ने जबलपुर में आधारताल, मदन महल बनाया। ऐसी जल संरचनाएं बनवाईं कि एक तालाब भरने के बाद अगला तालाब, उसके बाद उसके अगले तालाब में जल संरक्षण होता रहा। इससे प्रजा को जल संचयन की प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा कि तकनीक के मामले में तब के शासक भी अग्रणी थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्राओं की रानी दुर्गावती की शौर्य गाथा विस्तार से बताते हुए कहा कि हमें इस बात का गर्व है कि वे मध्यप्रदेश की महारानी थीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई के बारे में छात्राओं को बताया कि उन्होंने अपने करीब 28 साल के शासन में देश को शासन व्यवस्था की एक नई परिभाषा सिखाई। उन्होंने जगह-जगह मंदिर बनवाए, घाट बनवाए, यात्रियों के लिए सराय (विश्राम गृह), अन्न क्षेत्र, तीर्थ क्षेत्र बनवाए। महिला सशक्तिकरण की मिसाल कायम करते हुए देवी अहिल्याबाई ने विधवा विवाह कराए। इससे वे तत्समय विधवाओं के जीवन में एक नया सवेरा लेकर आईं। उन्होंने सबके साथ समान रूप से न्याय किया। वे एक अच्छी बेटी, अच्छी बहु, अच्छी पत्नी के साथ एक ममतामयी मां भी थीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवी अहिल्याबाई को न केवल उनके माता-पिता ने वरन् उनके सास-ससुर ने भी अपनी बेटी की तरह पाला था और अपने बेटे से बढ़कर देवी अहिल्याबाई को सत्ता के सूत्र सौंपे, शासन चलाने का प्रशिक्षण भी दिया। अहिल्याबाई ने जीवनपर्यंत नारी सशक्तिकरण के लिए काम किया। उन्होंने तत्कालीन महिलाओं को सशक्त बनाते हुए महेश्वरी साड़ी बनाने में कुशल बनाया। इससे महिलाएं आत्मनिर्भर बनीं। महेश्वरी साड़ियां हमें देवी अहिल्याबाई की सौगात है। अहिल्याबाई ने अपनी सास गोतमाबाई से प्राप्त खासगी की रकम से कई मंदिर और घाट बनवाए। महेश्वर को अपनी राजधानी बनाई। वे सच्चे अर्थों में नारी सशक्तिकरण का एक आदर्श व्यक्तित्व थीं। उन्होंने देश को सिखाया कि मंदिर और तीर्थयात्रा सिर्फ पूजा के लिए नहीं होते, इससे पर्यटन बढ़ता है और पर्यटन व देशाटन से आंतरिक संबंध बनते हैं, इससे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को बढ़ावा मिलता है।

मुरार नदी के किनारे से हटाया अतिक्रमण

ग्वालियर कांस । मुरार नदी के किनारे बिना अनुमति के किए गए निर्माण कार्य को जिला प्रशासन के दल द्वारा हटाया गया। हुरावली चौराहे के समीप मुरार नदी के किनारे पर किए गए अतिक्रमण को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अतुल सिंह के नेतृत्व में प्रशासन एवं नगर निगम के संयुक्त दल द्वारा हटाया गया। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं निगम आयुक्त संघ प्रिय ने भी हुरावली चौराहे पर पहुँचकर प्रशासन द्वारा की जा रही कार्रवाई का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

महिला सशक्तिकरण का प्रेरणास्पद उदाहरण

शहीद की पत्नी का जज्बा बना मिसाल

श्रीमती रेखा सिंह बनीं लेफ्टिनेंट

जहां पति हुए थे शहीद उसी गलवान में मिली पोस्टिंग

भोपाल ब्यूरो।

लद्दाख की गलवान घाटी में 15 जून 2020 को मातृभूमि की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए शहीद श्री दीपक सिंह की पत्नी श्रीमती रेखा सिंह ने साहस, दृढ़ता और संकल्प का परिचय देते हुए भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनकर अपने पति के अधूरे सपने को साकार किया। श्रीमती रेखा सिंह की यह उपलब्धि महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

रीवा जिले के ग्राम फरेदा निवासी श्रीमती रेखा सिंह का जीवन कठिनाइयों और संघर्षों से भरा रहा, लेकिन उन्होंने हर चुनौती का डटकर सामना किया। विवाह के मात्र 15 माह बाद उन्होंने अपने पति को खो दिया। शहीद श्री दीपक सिंह को मरणोपरांत वीर चक्र से सम्मानित किया गया। मध्यप्रदेश शासन द्वारा शहीद परिवार को एक करोड़ रुपये की सहायता राशि दी गई। इसके साथ ही श्रीमती रेखा सिंह को शिक्षाकर्मी वर्ग-दो के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई। श्रीमती रेखा सिंह, जो विवाह पूर्व जवाहर नवोदय विद्यालय सिरमौर में शिक्षिका थीं, ने पति की प्रेरणा से सेना में जाने का सपना देखा था। पति की शहादत के बाद उन्होंने इस सपने को अपनी प्रेरणा बना लिया। कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। पहले प्रयास में सफलता नहीं मिलने के बावजूद, दूसरे प्रयास में उनका चयन भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर हुआ। चेन्नई में एक वर्ष का प्रशिक्षण पूर्ण कर उन्होंने सेना में अपनी सेवाएं प्रारंभ कीं। यह संयोग ही है कि उनकी पोस्टिंग उसी क्षेत्र में हुई है, जहां उनके पति देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए थे। श्रीमती रेखा सिंह कहती हैं कि मेरी ये सफलता इस क्षेत्र में आने का सपना देखने वाली हर एक नारीशक्ति को प्रेरणा देगा। उन्होंने बताया कि मैंने अपनी बहनों की हौसलाफजाई के लिए भी सेना ज्वाइन की है। इससे समाज में फैली रूढ़िवादिता को तोड़ने में भी मदद मिलेगी।

बुंदेलखंड की प्यास बुझाएंगे अमृत सरोवर और खेत तालाब

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के मेगा प्रोजेक्ट से सागर संभाग को मिलेगा लाभ

फसलों की सिंचाई, पेयजल के लिए सहेजा जा सकेगा पर्याप्त पानी

भोपाल ब्यूरो।

जल गंगा संवर्धन अभियान-2025

जल गंगा संवर्धन अभियान लंबे समय से सूखा, जल संकट और पलायन का दंश झेल रहे बुंदेलखंड के लिए वरदान सिद्ध हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सौगात केन-बेतवा रिवर-लिंक परियोजना का बुंदेलखंड में शुभारंभ हो चुका है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार के जल गंगा संवर्धन अभियान से हो रहे जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण से बुंदेलखंड की तस्वीर और तकदीर बदलने वाली है। यहां के किसानों को आने वाले समय में सिंचाई और पेयजल के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध रहेगा, साथ ही भूजल स्तर में भी वृद्धि होगी। यह संभव होगा अंचल में बनाए जा रहे 8 हजार से अधिक खेत-तालाब और 128 से अधिक अमृत सरोवरों के निर्माण से। इन जल संरचनाओं के पूर्ण होने से वर्षा जल सहेजा जा सकेगा। इससे अंचल के निवासियों को हर मौसम में पर्याप्त मात्रा में पानी की उपलब्धता बनी रहेगी, साथ ही भूजल स्तर भी बढ़ेगा। पर्याप्त मात्रा में पानी की उपलब्धता रहने से यहां के लोग मछली पालन और सब्जी की खेती भी कर सकेंगे। बुंदेलखंड के किसानों को सिंचाई और पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सागर संभाग के सागर, टीकमगढ़, पन्ना, निवाड़ी, छतरपुर और दमोह जिलों में खेत-तालाब और अमृत सरोवरों का निर्माण करा रहा है।

जैन तीर्थ रक्षा अभियान वर्ष 2025 श्रवण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर सप्ताहका समापन

ग्वालियर।कांस

जैन मिलन महिला फालका बाजार द्वारा श्रवण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का लाल मंदिर श्री 1008 शांतिनाथ जिनालय फालका बाजार स्वर्ण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का समापन दिवस अत्यंत गरिमामयी, उत्साहपूर्ण और भावनात्मक रूप से स्मरणीय रहा। प्रातःकाल भगवान शांतिनाथ जिनेंद्र का पूजन-अभिषेक एवं मंगल प्रार्थना के साथ दिन की शुभ शुरुआत हुई। इसके उपरांत शिविर में सम्मिलित सभी बच्चों की बालबोध भाग 1 शिक्षण परीक्षा संपन्न हुई। पूरे सप्ताह सीखी गई नैतिकता, अनुशासन, भक्ति, आचार-विचार एवं ज्ञान से संबंधित बातों का सुंदर प्रस्तुतीकरण बच्चों ने परीक्षा के माध्यम से किया।

महिलाओं के लिए भी तत्वार्थ सूत्र पर आधारित परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने गहरी श्रद्धा, ज्ञान और साधना का परिचय दिया। उनकी भागीदारी पूरे शिविर की गरिमा में वृद्धि करने वाली रही।

परीक्षा उपरांत सभी बच्चों और महिलाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को विशेष पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। बच्चों के चेहरे पर संतोष और गर्व की झलक दिखाई दी, वहीं महिलाओं में भी आत्मविश्वास और श्रद्धा का उत्साह झलका।शिविर में सांगानेर से पधारे पंडित हर्ष भैया का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने सरल और प्रभावशाली शैली में बच्चों एवं महिलाओं को धर्म, आचरण, वाणी संयम एवं नैतिक मूल्यों का बोध कराया। उनका स्वागत लाल मंदिर समिति के अध्यक्ष कुशलचंद जैन द्वारा अत्यंत सौजन्य और श्रद्धा के साथ किया गया।

'तंबाकू एक धीमा जहर-बचाव ही समझदारी' थीम पर मनाया जाएगा

31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस

प्रत्येक जिले में होंगे जागरूकता कार्यक्रम

भोपाल ब्यूरो।

तंबाकू एक धीमा जहर है, इससे बचाव ही समझदारी थीम पर 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त जिलों में तंबाकू व नशा विरोधी गतिविधियाँ पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिनमें छात्रों, युवाओं, स्वयंसेवी संगठनों तथा विभिन्न विभागों की सक्रिय भागीदारी रहेगी। प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण श्रीमती सोनाली वायंणकर ने बताया कि इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन की थीम E&posing lies, protecting lives: Unmask the appeal of tobacco and nicotine products" पर आधारित कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्रत्येक जिले में प्रभातफेरी, मैराथन, रंगोली, नुक्कड़ नाटक और गीत-संगीत के माध्यम से समाज को तंबाकू के दुष्परिणामों से अवगत कराया जाएगा।

एमपीसीए वेंडरों के बकाया भुगतान को तैयार, जीडीसीए से मांगी जानकारी

ग्वालियर। मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन बीते वर्ष 6 अक्टूबर को भारत और बांग्लादेश के बीच हुये टी-20 मुकाबले में काम करने वाले वेंडरों के बकाया भुगतान के लिये अब तैयार हो गया है। एमपीसीए के सीईओ रोहित पंडित और कोषाध्यक्ष पवन जैन ने ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन से अब वेंडरों के बकाया भुगतान की जानकारी मांगी है और आश्वासन दिया है कि पेमेंट प्रक्रिया शीघ्र की जा रही हैं। ज्ञातव्य है कि बीते दिवस 27 मई को सत्ता सुधार ने इस मामले को प्रमुखता से उठाया था और यहां यह उल्लेखनीय हैं कि गत वर्ष भारत और बांग्लादेश के

टी-20 मैच को कराने के लिये एमपीसीए की जिम्मेदारी में जीडीसीए ने व्यवस्था में भरपूर सहयोग दिया था, ताकि ग्वालियर की प्रतिष्ठा कायम रहे। इसीलिये जीडीसीए ने विभिन्न कामों में सहयोग अपनी जिम्मेदारी पर वेंडरों से करा लिये थे, लेकिन एमपीसीए 8 माह बीत जाने के बाबजूद वेंडरों के भुगतान नहीं किये हैं, जिससे वेंडर अपने भुगतान को लेकर परेशान थे।

वेंडरों ने इस बाबत जीडीसीए अध्यक्ष प्रशांत मेहता, सचिव संजय आहूजा से भी बात की थी। अब इस मामले की जानकारी केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया व जीडीसीए उपाध्यक्ष महाआर्यमन सिंधिया को लगी, तो उन्होंने तत्काल इसकी जानकारी तलब की हैं। अब बताया जाता है कि मामला उठने पर एमपीसीए के पदाधिकारियों ने आनन फानन में वेंडरों के बकाया की जानकारी मंगा कर इसी सप्ताह भुगतान का आश्वासन दिया है।

उप मुख्यमंत्री ने ओरछा में भगवान श्री रामराजा सरकार के किए दर्शन

भोपाल ब्यूरो। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने निवाड़ी जिले के अल्पप्रवास के दौरान ऐतिहासिक एवं धार्मिक नगरी ओरछा में भगवान श्री रामराजा सरकार के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि एवं निरंतर विकास की कामना की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि भगवान श्री रामराजा सरकार आस्था, श्रद्धा और विश्वास के प्रतीक हैं। उनका आशीर्वाद हमें सेवा, समर्पण और सुशासन के पथ पर अग्रसर रहने की प्रेरणा देता है। ओरछा की धार्मिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत पूरे देश में अद्वितीय है। विधायक निवाड़ी श्री अनिल जैन, कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़, पुलिस अधीक्षक डॉ. राय सिंह नरवरिया सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, उपस्थित रहे।

ग्वालियर-बनारस बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस एवं खजुराहो-उदयपुर सिटी एक्सप्रेस का ओरछा स्टेशन पर प्रयोगात्मक ठहराव

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की विशेष सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी सं. 11107/11108 ग्वालियर-बनारस बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस एवं गाड़ी सं.19665/19666 खजुराहो-उदयपुर सिटी एक्सप्रेस का ओरछा स्टेशन पर प्रयोगात्मक ठहराव दिये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं.	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	तिथि से प्रभावी	
				प्रारम्भिक स्टेशन से	ओरछा स्टेशन पर ठहराव
11107 ग्वालियर-बनारस बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस	ओरछा	23:00	23:02	30.05.25	30.05.25
11108 बनारस-ग्वालियर बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस		04:50	04:52	30.05.25	31.05.25
19665 खजुराहो-उदयपुर सिटी एक्सप्रेस		13:00	13:02	30.05.25	30.05.25
19666 उदयपुर सिटी-खजुराहो एक्सप्रेस		14:23	14:25	29.05.25	30.05.25

गाड़ी सं. 11107 ग्वालियर-बनारस बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस का ओरछा स्टेशन पर ठहराव के कारण इस गाड़ी का निम्नलिखित स्टेशनों पर आगमन/प्रस्थान समय में संशोधन किया गया है:-

गाड़ी सं.	स्टेशन	वर्तमान समय		संशोधित समय	
		आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
11107 ग्वालियर-बनारस	निवाड़ी	23:12	23:13	23:19	23:20
	टेहरका	23:26	23:27	23:33	23:34
	मऊरानीपुर	23:44	23:46	23:51	23:53
	हरपालपुर	00:04	00:06	00:11	00:13
	बेलाताल	00:24	00:25	00:31	00:32
	कुलपहाड़	00:35	00:36	00:42	00:43
	महोबा	00:54	00:56	01:01	01:03

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 929/25 (ADM)

सीहोर जिले की बेटी कावेरी ने किया अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और मध्यप्रदेश का नाम रोशन

कैनोइंग एशियन चैंपियनशिप में ब्रांज और नेशनल चैंपियनशिप में जीते हैं 50 से अधिक मेडल

अब इंडियन नेवी में ऑफिसर बन देश की सेवा कर रही है कावेरी

भोपाल ब्यूरो।

जीवन में कुछ करने का जज्बा हो और मन में दृढ़ इच्छा शक्ति हो तो विपरीत परिस्थितियां भी आगे बढ़ने और मंजिल तक पहुंचने से नहीं रोक पाती। सीहोर जिले की भैरूंदा तहसील के एक छोटे से गांव मंडी की बेटी कावेरी ढ़ीमर एक ऐसी सफल बेटी है जिसने कठिन परिस्थितियों में हार नहीं मानी और खेल के क्षेत्र में न केवल अपना बल्कि प्रदेश और देश का नाम पूरी विश्व में रोशन किया है।

बेटी कावेरी ने अपनी मेहनत और कठिन संघर्ष से अपना नाम खेल के क्षेत्र में सुनहरे अक्षरों में अंकित करा दिया है। इतने कठिन संघर्ष और सफलता की कहानी शायद ही कभी किसी ने सुनी होगी। बेटी कावेरी ने कैनोइंग गेम्स में नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर 50 से ज्यादा मेडल जीते और देश का नाम रोशन किया। कावेरी ने एशियन चैंपियनशिप में ब्रांज मेडल जीता है, इसके साथ ही नेशनल चैंपियनशिप में 45 गोल्ड, 6 सिल्वर और 3 ब्रांज मेडल अपने नाम किए हैं। मध्यप्रदेश की बेटी कावेरी जो कभी अपने पिता का कर्ज चुकाने के लिए नर्मदा में मछली पकड़ा करती थी, आज वही बेटी इंडियन नेवी में ऑफिसर है। वर्तमान में कावेरी इंडियन नेवी में एजीपीओ (पीटी) ऑफिसर के पद पर कार्य कर देश की सेवा कर रही हैं। कावेरी के परिवार में 11 सदस्य है, जिसमें माता-पिता सहित 7 बहनें एवं 2 भाई शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महंत अवैद्यनाथ जी महाराज की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गोरखनाथ मठ के पूर्व पीठाधीश्वर एवं पूर्व सांसद, परम पूज्य महंत अवैद्यनाथ जी महाराज की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया %एक्स% पर कहा कि अवैद्यनाथ जी महाराज ने अपना संपूर्ण जीवन लोक कल्याण और सनातन संस्कृति की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उनके प्रखर विचार एवं कृतित्व युगों-युगों तक जनसेवा और समाज उत्थान के प्रयासों को सुदृढ़ता देते रहेंगे। महंत अवैद्यनाथ जी महाराज नाथ संप्रदाय के प्रमुख संतों में से एक थे। उन्होंने आध्यात्मिक पथ पर समाज का मार्गदर्शन कर जनसेवा की मिसाल पेश की।

नमो ड्रोन दीदी योजना ने ग्रामीण महिलाओं को बनाया स्वावलंबी

भोपाल ब्यूरो। नमो ड्रोन दीदी योजना ने आज ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को एक नई उड़ान दे दी है। इस योजना ने ग्रामीण महिलाओं को तकनीक और सरकारी सहयोग से आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है। इस योजना से महिलाओं के जीवन में वास्तविक परिवर्तन आ रहा है। एक कृषि सीजन में रीना चंदेल अर्जित कर रही 40 हजार से अधिक की आमदनी आगर-मालवा जिले के ग्राम थड़ौदा की रीना चंदेल की जिंदगी को योजना से एक नई दिशा मिली है। रीना बताती हैं कि वे अब किसानों के खेतों में नैनो यूरिया और नैनो पेस्टिसाइड का ड्रोन से छिड़काव करती हैं। इसके बदले उन्हें प्रति हेक्टेयर की दर से भुगतान प्राप्त होता है। केवल एक कृषि सीजन में वे 40,000 रूपये से अधिक की आमदनी कर लेती हैं और सालभर में यह आय 1 लाख रूपये तक पहुंच जाती है। साथ ही, वे किसानों को नैनो टेक्नोलॉजी के उपयोग के प्रति जागरूक भी कर रही हैं। उनका अनुभव बताता है कि ड्रोन तकनीक से संतुलित और प्रभावी छिड़काव संभव होता है, जिससे किसानों को शत-प्रतिशत लाभ मिलता है। मजदूरों की तुलना में यह प्रक्रिया कम समय और कम लागत में पूरी हो जाती है। एक हेक्टेयर खेत में मात्र 5 से 10 मिनट में स्प्रे संभव है। रीना चंदेल वर्ष 2024 से इस योजना से जुड़ीं और उन्होंने इंदौर एवं भोपाल में ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह प्रशिक्षण उन्हें मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत निशुल्क दिया गया। इतना ही नहीं, योजना के अंतर्गत उन्हें निशुल्क ड्रोन भी प्रदान किया गया, जिससे वे खेती में ड्रोन तकनीक का उपयोग कर आय अर्जित कर सकें।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक, रामविलास शर्मा द्वारा पहल प्रिंटर्स प्लाट नं. 27 बांके सैंथिया टाउन मौजा ककुआ आगरा, उत्तरप्रदेश से मुद्रित व 192,मानस नगर शाहगंज बोदला रोड आगरा (उत्तरप्रदेश) से प्रकाशित। संपादक- रामविलास शर्मा मोबा.-9329077393
स्थानीय संपादक- संतोष शर्मा.मो.97202 02708, email-sandhyapahal@yahoo.com आर.एन.आई.पंजीयन क्रमांक UPHIN/2008/25338 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र मुरैना ही रहेगा।